सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 28 दिसंबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-118 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

जब उस
खुबानी जैसे गालों वाली,
तीखी हरी मिर्च से मिज़ाज वाली लड़की ने
अपनी चुनरी की गिरह से सैकड़ों
रंग–बिरंगी तितलियों को आज़ाद किया
तो पल भर के लिए
आसमान पर एक इंद्रधनुष नाचने लगा।
हर तितली के पंखों पर
उस लड़की के चेहरे की
शैतानी भरी भंगिमाओं के चित्र झूल रहे थे,
कई सरस छंद थे
जिन्हें उसने सिर्फ अपनी आँखों से लिखा था।
आसमान स्तब्ध था
और हवा की साँसें बहुत भारी हो गई थीं।
पेड़ ने उन तितलियों को
अपनी हरितिमा में समेट कर हृदय से लगा लिया
जिसके नीचे वह लड़की
बाँसुरी की धुन पर नया इंद्रजाल बुन रही थी।
सुनेत्रा,
तुम्हारे बहुत सारे चित्रों
और छवियों को मानस–पटल पर
प्राण–प्रतिष्ठा देते हुए सोचता हूँ –
कहीं वह चुलबुली लड़की तुम ही तो नहीं हो?

– राजेश्वर वशिष्ठ

प्रसंगवश

वर्ष 2024 : राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं में छिपे भविष्य के संकेत

नीरज कुमार दुबे

साल 2024 देश-दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। भारत में साल की शुरुआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला। एक नजर साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर।

नरेंद्र मोदी: भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि भाजपा का 'अबकी बार 400 पार' का नारा विफल रहा और उसे सरकार चलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों का लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन रहा। कांग्रेस ने एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 99 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की।

राहुल गांधी: साल 2024 कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए बेहद खास रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीते। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनाये गये जोकि उनके राजनीतिक जीवन में अब तक का सबसे बड़ा पद है।

अरविंद केजरीवाल: इस साल लोकसभा चुनावों से ठीक पहले शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ी राजनीतिक घटना रही। उन्होंने इस्तीफे की मांग को दरकिनार करते हुए जेल से सरकार चलाने का रिकॉर्ड भी बनाया। आप ने उन्हें फिर से नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

ओडिशा: लोकसभा चुनावों के साथ हुए ओडिशा के विधानसभा चुनावों में राज्य की सत्ता पर दो दशक से ज्यादा समय से काबिज नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को इस बार हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने शानदार जीत के साथ राज्य में सरकार बनाई।

आंध्र प्रदेश: 2024 में आंध्र प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ। लोकसभा चुनावों के साथ ही कराये गये आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में टीडीपी-जन सेना और भाजपा के गठबंधन ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। चंद्रबाबू नायडू राज्य के मुख्यमंत्री और जन सेना के पवन कल्याण उपमुख्यमंत्री बनाये गये।

हरियाणा: लोकसभा चुनावों के ठीक बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में आंधी होने की खबरों के बीच भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटना ऐतिहासिक रहा। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' का असर महाराष्ट्र विस चुनाव में भी दिखाई दिया।

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे भी चौंकाने वाले रहे। लोकसभा चुनाव में निराशा के बाद विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने दिल खोलकर भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति को अपना समर्थन दिया। इस बार देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

झारखंड: झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए साल 2024 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साबित हुआ। साल 2024 में उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्होंने अपनी जगह चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। मुख्यमंत्री पद पर वापसी की तो चंपई सोरेन भाजपा में चले गये। हेमंत विस चुनाव जीत कर फिर मुख्यमंत्री बने।

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव इस मायने में ऐतिहासिक रहे कि उम्मीदवारों की तो रिकॉर्ड संख्या रही ही साथ ही मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार जीत हासिल की और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने।

प्रियंका की नई पारी: सोनिया गांधी व राहुल गांधी के बाद नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा भी संसदीय राजनीति में प्रवेश करने में सफल रहीं। वो वायनाड लोकसभा सीट से जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंचीं।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा: साल 2024 की सबसे प्रमुख घटना 22 जनवरी को हुई जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। इस दौरान पूरा देश राममय हो गया था और दुनिया के हर कोने में मौजूद सनातनी जश्न मनाते दिखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष मुहूर्त में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की।

इस साल पेपर लीक के कई मामले सामने आये। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के मामले भी सामने आये जिससे छात्रों के बीच रोष देखा गया और देशव्यापी प्रदर्शन भी हुए।

आतंकी हमले: इस साल जून में जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला कर दिया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 33 घायल हो गए। इसके अलावा भी जम्मू क्षेत्र में आतंक की कई घटनाएं देखने को मिलीं।

कोलकाता की घटना: इस साल कोलकाता से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त की रात को एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। डॉक्टर के शरीर पर चोट के निशान थे। जांच में पता चला कि डॉक्टर से बलात्कार के बाद हत्या की गई।

हाथरस में भगदड़: उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में जुलाई महीने में एक धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद भोले बाबा नाम के व्यक्ति को न्यायिक आयोग के सामने पेश किया गया था।

संघर्षों में उलझी दुनिया: वैश्विक स्तर पर इस साल रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास युद्ध तो चलता ही रहा साथ ही इजराइल-ईरान, इजराइल-लेबनान के बीच भी जमकर संघर्ष हुआ। इजराइल ने हमास और हिज्बुल्ला के शीर्ष नेतृत्व को पूरी तरह खत्म कर दिया। सीरिया में भी बशर अल असद का शासन खत्म हुआ। वहीं अमेरिका में सत्तारुढ़ दल की उम्मीदवार कमला हैरिस की बजाय जनता ने विपक्षी उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर राष्ट्रपति चुन लिया। साथ ही बोत्सवाना, पुर्तगाल, पनामा और दक्षिण कोरिया की सरकारों को भी जनता ने बदल दिया। एकमात्र रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही दुनिया में ऐसे राजनेता रहे जोकि रिकॉर्डतोड़ मतों से जीत कर अपनी सत्ता बरकरार रखने में सफल रहे।

अर्थव्यवस्था: भारत की अर्थव्यवस्था इस साल भी तेजी से आगे बढ़ती रही और शेयर बाजार नई ऊँचाइयों पर पहुँचे। मुकेश अंबानी के बेटे की शादी और उद्योगपति गौतम अडाणी भी साल भर चर्चा में रहे। टाटा समूह के चेयरमैन रतन टाटा का निधन इस साल की सबसे बड़ी घटनाओं में शुमार रही।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दे रहा देश

● कांग्रेस मुख्यालय से आज सुबह शुरू होगी अंतिम यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक और राजनीति में शालीनता के प्रतीक माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अपने पीछे परिवर्तनकारी नीतियों की विरासत छोड़ गए। मनमोहन सिंह (92) का गुरुवार रात नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह 9.30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से श्मशान घाट के लिए शुरू होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया है और कांग्रेस पार्टी ने आगामी सात दिनों के लिए अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कर्नाटक में अपने सभी प्रोग्राम कैंसिल कर दिल्ली पहुंच गए हैं। कांग्रेस के ये दोनों नेता देर रात करीब सवा दो बजे मनमोहन सिंह के आवास पर पहुंचे। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वह भारत के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक थे।

साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक सम्मानित अर्थशास्त्री बने मनमोहन सिंह

पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री को किया याद, घर जाकर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि देश के विकास में सुधार के रूप में उनको समर्पित नेता के तौर पर देखा जाएगा। मनमोहन सिंह को देश के विकास में सम्मान के साथ देखा जाता है। वह बीमारी के वक्त भी अपना दायित्व निभाते थे। उन्होंने हर क्षेत्र में उपलब्धि हासिल की। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह हर दल के नेताओं के लिए हमेशा उपलब्ध रहे। वह एक विलक्षण नेता और एक नेकदिल इंसान थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल के दौरान उनके बीच हुई बातचीत को याद किया। उन्होंने कांग्रेस नेता की बुद्धिमत्ता और विनम्रता की प्रशंसा की, शासन पर उनकी चर्चाओं को याद किया और उनकी बातचीत की तस्वीरें भी साझा कीं। मोदी ने कहा, ''डॉ. सिंह का निधन राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेश मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

न्यूयार्क टाइम्स ने कहा-मृदुभाषी और बुद्धिजीवी का हो गया निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पूर्व पीएम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों का महान समर्थक बताया। ब्लिंकन ने मनमोहन सिंह के कार्यों को पिछले 2 दशक में भारत और अमेरिका की द्विपक्षीय उपलब्धियों की नींव बताया। ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व पीएम के नेतृत्व में हुए अमेरिका-भारत सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट ने दोनों देशों के संबंधों की संभावनाओं में बड़ा निवेश किया। मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में गुरुवार देर रात निधन हो गया। ब्लिंकन के अलावा कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया।

पंजाब के बठिंडा में दर्दनाक हादसा, 8 लोगों की मौत

बठिंडा (एजेंसी)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक दर्दनाक बस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ। एक प्राइवेट बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी, तभी पुल से टकराकर नाले में गिर गई। हादसे के समय बारिश हो रही थी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 18 घायल यात्रियों का शहीद भाई मणि सिंह सिविल

अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य जारी है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हुई है। बठिंडा के शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। गिल ने बताया कि बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने उन्हें हादसे की जानकारी दी। विधायक गिल ने घायलों का हाल जानने के लिए अस्पताल का दौरा किया।

किसानों को दलहन और तिलहन उत्पादन के लिए भी करें प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी सोयाबीन उपार्जन की समीक्षा में दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सोयाबीन फसल उत्पादन में बीते वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार सोयाबीन का उपार्जन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन के अलावा किसानों को दलहन और तिलहन फसलों के उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जायेगा।

इसके लिए किसानों के साथ चर्चा कर योजना बनाई जाएगी। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में अधिक लाभ है, इसलिए किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रवृत्त किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में सोयाबीन उपार्जन की समीक्षा बैठक में यह बात कही। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी, सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास श्री एम. सेलवेन्द्रन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपार्जन के बाद भुगतान भी जल्द से जल्द हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी सोयाबीन उत्पादक किसानों से उपार्जन कर उन्हें जल्द से जल्द भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए। उपार्जन में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या बारदाने की समस्या न आने पाए। उपार्जित सोयाबीन का उठाव और भंडारण विधिवत तरीके से हो और उपज को ओला-पाला एवं बारिश से बचाया जाये।

31 दिसम्बर तक होगा सोयाबीन उपार्जन

बैठक में सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी दी कि प्रदेश में सोयाबीन उपार्जन 25 अक्टूबर से किया जा रहा है, जो 31 दिसम्बर तक चलेगा। गत 26 दिसम्बर तक 2 लाख 4 हजार किसान अपना सोयाबीन बेच चुके हैं। इन किसानों से 5 लाख 89 हजार मीट्रिक टन सोयाबीन उपार्जित किया गया है।

रतलाम समेत कई जिलों में बारिश, ओले गिरे

मंदसौर में मंडी में रखी लहसुन भीगी; भोपाल और इंदौर में छाए बादल

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के कई जिलों में मावठा गिरा है। शुक्रवार को दोपहर में खरगोन जिले के महेश्वर, बैतूल के मुलताई, अलीराजपुर और रतलाम जिले के कुछ इलाकों में बारिश हुई है। रतलाम के मलवासा गांव और आसपास के क्षेत्र में तो छोटे-छोटे ओले भी गिरे हैं। मंदसौर में करीब 20 मिनट तक तेज बारिश हुई, जिससे कृषि मंडी में रखी लहसुन समेत अन्य उपज भीग गई।

मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में 27-28 दिसंबर को ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। भोपाल में सुबह से बादल छाए है। ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन में कुछ ऐसे ही हालात है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम एक्टिव है। वहीं, हवा का असर भी है। अगले 2 दिन सिस्टम का असर रहेगा। 29 दिसंबर को सिस्टम का असर कम हो जाएगा। फिर टेम्प्रेचर में गिरावट होगी। वहीं, कोहरा भी छाएगा।

28 दिसंबर- नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पांढुर्णा में ओले-बारिश का अलर्ट है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, भिंड, मुरैना, श्योपुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में हल्की बारिश और आंधी चल सकती है।

29 दिसंबर-भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर और पांढुर्णा में हल्के से मध्यम कोहरा छाया रहेगा।

30 दिसंबर- भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर में हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 28 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

घाटी में तालाब जमा, बच्चों ने इसी पर खेला क्रिकेट

● हिमाचल में नेशनल हाईवे पर 1 फीट तक जमी बर्फ ● एमपी में 2 दिन ओले का अलर्ट, यूपी में घना कोहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण कई सड़कें बंद हैं। हिमाचल में 2 हाइवे समेत 24 सड़कों पर लगातार तीसरे दिन बसों की आवाजाही बंद है। नेशनल हाईवे 305 पर भी करीब 1 फुट बर्फ है। प्रशासन बर्फ हटाने की कोशिश में जुटा हुआ है। उत्तराखंड में भी जोशीमठ और पिथौरागढ़ में बर्फबारी के कारण नेशनल हाईवे और स्टेट हाइवे बंद है। देहरादून में भी त्यूनी-चक्रता-मसूरी नेशनल हाईवे के 30 किलोमीटर स्ट्रेच का हाईवे बर्फबारी के कारण बंद है। मौसम विभाग ने कहा है कि यहां अगले 2-3 दिन बर्फबारी का दौर जारी

रहेगा। दिल्ली में शुक्रवार सुबह तेज बारिश हुई। इसके अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। यहां 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इससे इन राज्यों के तापमान में भी गिरावट होगी। उधर, जम्मू-कश्मीर में पड़ रही कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के चलते तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चल रहा है। इसका एक नजारा जम्मू-कश्मीर के सोपोर में दिखाई दिया। हरितारा इलाके में बना एक तालाब पूरी तरह जम गया। बच्चों ने इस जमे हुए तालाब पर ही क्रिकेट खेला। मौसम विभाग महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पुडुचेरी में जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना को वापस नहीं भेजेगा भारत

● बांग्लादेश सरकार से टकराव को भी किया मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना को सौंपने जाने की मांग की है। पूर्व पीएम फिलहाल भारत में हैं। वह 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद वायुसेना के हेलीकॉप्टर से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर आ गई थीं और उसके बाद से ही दिल्ली में किसी स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह ही बांग्लादेश की ओर से शेख हसीना को भेजने

की मांग वाला डिप्लोमैटिक नोट आया है, लेकिन इस पर भारत सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच सरकारी सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना को भारत सरकार वापस भेजने पर विचार नहीं कर रही है। यही नहीं बांग्लादेश की सरकार की ओर से दबाव बनाने की कोशिश के बाद भी ऐसा कोई फैसला नहीं लिया जाएगा। पहली बात तो यह है कि बांग्लादेश के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि में किसी राजनीतिक शख्सियत की वापसी का पहलू नहीं है।

अखिलेश महाकुंभ में डुबकी लगाएं, निगेटिविटी धुल जाएगी

मुख्तार अब्बास नकवी बोले- उन्हें हर काम में कमी दिखती है

प्रयागराज (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- अखिलेश यादव महाकुंभ में एक बार डुबकी लगा लें तो उनकी सारी निगेटिविटी धुल जाएगी। जिनकी मानसिकता में ही निगेटिविटी भरी हो, उन लोगों को हर काम में कमी दिखाई देती है। इससे वह समाज में भ्रम और भय पैदा करते हैं। नकवी महाकुंभ की तैयारियों के बीच शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे हैं। जहां उन्होंने अखिलेश यादव के एक्स पर पोस्ट को लेकर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने 25 और 26 दिसंबर को महाकुंभ की तैयारियों पर सवाल किए थे। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- महाकुंभ की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सभी कार्य समय से पूरे होंगे। महाकुंभ पर पूरे विश्व की नजर है। योगी सरकार इसे भव्य, दिव्य बनाने में जुटी है।

हिमाचल में कश्मीरियों को फिर किया गया टारगेट

बिलासपुर (एजेंसी)। हिमाचल के व्यापारियों पर एक बार फिर से कश्मीर के फैरी वालों को काम नहीं करने देने के आरोप लगे है। बिलासपुर जिला के घुमारवी में कुछ दिन से लोकल व्यापारी फैरी वालों को भगा रहे हैं। यह आरोप फैरी वालों ने डीएम घुमारवी को दी लिखित शिकायत में लगाए है। इनका आरोप है कि उन्हें न केवल काम करने से रोका जा रहा है, बल्कि हिमाचल से वापस कश्मीर जाने को भी कहा जा रहा है। इस पर महबूबा मुफ्ती एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू और जम्मू कश्मीर के सीएम उमर से हस्तक्षेप की अपील की है।

आर्यों ने द्रविड़ों को खदेड़ा, यह अंग्रेजों का फैलाया सफेद झूठ

● भागवत बोले-ब्रिटिश कहते थे-भारतीय राज नहीं कर सकते, दुनिया ने इसे नकारा

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि अंग्रेजों ने सच को छिपाया और हमारे दिमाग में कई झूठ भरे। उन्होंने कहा था कि भारत में जो लोग दिखते हैं, वे बाहर से आए हैं। अंग्रेजों ने झूठ फैलाया था कि बाहर से आए लोगों को द्रविड़ों ने जंगल में खदेड़ा। फिर आर्य लोग आए, जिन्होंने द्रविड़ों से लड़ाई की और द्रविड़ों को पीछे की ओर खदेड़ दिया। यह अंग्रेजों का फैलाया हुआ झूठ है। भागवत सोमलवार एजुकेशन सोसाइटी के 70वें स्थापना दिवस के मौके पर 21वीं सदी में शिक्षकों की भूमिका पर भाषण दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा- अंग्रेज कहते हैं कि कोई बाहर से आया, यहां के लोगों को मारा-पीटा और खुद राजा बन गया। उनके

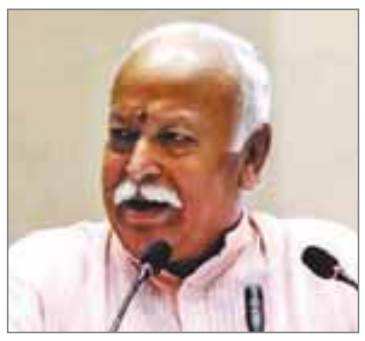

मुताबिक, राज करना इस देश के लोगों के खून में नहीं है। भागवत ने कहा कि अंग्रेज ऐसे थे, जैसे कोई धर्मशाला में रहने आए हो। इस थ्योरी को पूरी दुनिया ने नकार दिया है। अब इस पर कोई यकीन नहीं करता है, लेकिन हमारे देश के लोगों से यह बात निकल नहीं रही है।

1857 में ब्रिटिश शासकों को एहसास हुआ कि जातियों, संप्रदायों, भाषाओं, भौगोलिक असमानताओं को लेकर आपस में लड़ाने के बावजूद भारत के लोग तब तक एकजुट रहेंगे जब तक कि वे विदेशी आकर्मणकारियों को देश से बाहर नहीं निकाल देते। संघ प्रमुख ने कहा कि ब्रिटिश शासकों ने कुछ ऐसा करने का फैसला लिया, जिससे भारतीयों की एकजुट रहने की विशेषता खत्म हो जाए।

देश के छोटे शहरों में बढ़ गए कई आर्थिक अवसर

● बड़े शहरों की ओर जाने की गति हुई धीमी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद यानी इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल टू प्राइम मिनिस्टर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत में प्रवासियों के आंकड़ों का अध्ययन

किया गया है। नई रिपोर्ट में कहा है कि देश में प्रवास की गति धीमी हो रही है और देश में प्रवासियों की कुल संख्या में 2011 की जनगणना की तुलना में 11.78 प्रतिशत की कमी आई है। काउंसिल के मुताबिक जहां जनगणना 2011 में प्रवासियों की कुल संख्या 45.57 करोड़ थी, वहीं 2023 तक देश में प्रवासियों की कुल संख्या 40.20 करोड़ होने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जनगणना 2011 के अनुसार प्रवास की दर जो 37.64 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 28.88 प्रतिशत हो गई है। इस रिपोर्ट को पीएम आर्थिक सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष बिबेक देबरॉय और फिलहाल इस परिषद में निदेशक के रूप में तैनात आईआरएस अधिकारी देवी प्रसाद मिश्रा ने मिलकर तैयार किया है। उनके मुताबिक यह रिपोर्ट इंटरनल माइग्रेशन खास तौर पर ब्लू कॉलर माइग्रेशन का विश्लेषण करने के लिए आंकड़े इकट्ठा करने की एक कोशिश है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे शहरों में बेहतर आर्थिक अवसरों की वजह से भारत में माइग्रेशन की गति धीमा हो रही है।

भारत का एक दुश्मन घटा, हार्ट अटैक से मौत

मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान मक्की अब नहीं रहा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड लोगों में से एक हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। उसे शुक्रवार को हार्ट अटैक आया, जिसमें उसकी मौत हो गई। मक्की का जमात-उद-दावा के कमांडर हाफिज सईद से करीबी रिश्ता था और वह उसका बहनोई था। हाफिज सदई ने अब्दुल रहमान मक्की को जमात उद दावा का डिप्टी चीफ बना रखा था। मक्की की मौत की पुष्टि करते हुए जमात उद दावा ने बतान भी जारी किया है। आतंकी संगठन का कहना है कि मक्की बीते कुछ दिनों से बीमार था। उसका डायबिटीज बढ़ा हुआ था और उसे इलाज के लिए लाहौर के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई। जमात-उ-दावा का कहना है कि मक्की को शुक्रवार सुबह ही हार्ट अटैक आया और उसने लाहौर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भारत की ओर से उसके खिलाफ लगातार ऐक्शन की मांग हो रही थी और पाकिस्तान से

उसे सौंपे जाने की डिमांड भी कई गई थी। इसके बाद भी पाकिस्तान हाफिज सईद और उसके गुर्गों को लगातार शह देता रहा है। ये लोग पाकिस्तान में न सिर्फ आतंकी गतिविधियां चलाते रहे हैं बल्कि आतंकवाद के लिए फंडिंग भी जुटाते रहे हैं। काफी दबाव के बाद दिखावे के लिए ही सही, लेकिन पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने अब्दुल रहमान मक्की को 2020 में 6 महीने कैद की सजा दी थी। मक्की पर टेरर फाइनेंसिंग के आरोप में यह ऐक्शन लिया गया था। कहा जाता है कि मक्की ही जमात-उद-दावा की सारी गतिविधियां चलाता था और खुद को लो प्रोफाइल ही रखता था। इसके चलते जमात का चेहरा लंबे समय से हाफिज सईद ही रहा है और मक्की के बारे में कम लोगों को जानकारी थी। पाकिस्तान मुताहिदा मुस्लिम लीग नाम के संगठन ने मक्की को पाकिस्तान की विचारधारा का पैरोकार बताया है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 2023 में मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित किया था।

मुस्लिम जज तो हटा न सके, आपने कैसे हटाया

हाईकोर्ट चीफ जस्टिस के घर मंदिर हटने पर बवाल, सीजेआई से गुहार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत के सरकारी आवास से एक मंदिर हटाए जाने पर बवाल बढ़ गया है। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। वकीलों के संघ ने इस मामले में अब देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना से गुहार लगाई है। बार एसोसिएशन ने सीजेआई खन्ना को पत्र लिखकर इस मामले की जांच करने और इस घटना के

लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। सीजेआई को लिखी चिट्ठी के अनुसार, एमपी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सरकारी बंगले में स्थित हनुमान मंदिर ऐतिहासिक था। वहां कई मुस्लि जज रहे लेकिन किसी ने आपत्ति नहीं की। पूर्व मुख्य न्यायाधीश पूजा-अर्चना किया करते थे, जिनमें जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस एएम खानविलकर भी शामिल रहे हैं।

सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत को खतरा

● बीजेपी पर बरसीं सोनिया गांधी, सीडब्ल्यूसी को लिखा पत्र

बेलगावी (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि देश की सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत को खतरा है। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) को भेजे पत्र में इन ताकतों का मुकाबला करने के लिए अपने संकल्प को फिर से दोहराने का आह्वान भी किया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कार्य समिति की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं और उन्होंने पत्र में

इस पर अफसोस भी जताया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में विस्तारित कार्य समिति की बैठक उसी स्थान पर हुई है, जहां 1924 के कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधी को पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। कांग्रेस ने उस ऐतिहासिक दिन के 100 साल पूरे होने के अवसर पर कार्य समिति की बैठक का आयोजन किया। पार्टी ने कार्य समिति की बैठक को 'नव सत्याग्रह बैठक' नाम दिया है।

मणिपुर के दो जिलों में गोलीबारी, लोग बोले-मोर्टार दागे

● कुकी-मैतेई के बीच फिर से हिंसा शुरू, सीएम ने कहा था-दोनों आपसी समझ बनाएं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में गोलीबारी हो रही है। लोगों के मुताबिक मोर्टार भी दागे जा रहे हैं। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच एक बार फिर हिंसा शुरू हुई है। दोनों जिलों के कई इलाकों में 24 दिसंबर से जारी गोलीबारी की घटना ने शुक्रवार को बड़ा रूप लिया। इन जिलों के यिंगांगपोकपी, थमनापोकपी, थंबापोकपी, सबुंगखोक खुनौ, शांति खोंगबल सहित दूसरे इलाकों में दहशत है। यिंगंगपोकपी में ग्रामीणों ने अधिकारियों से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की

है। गोलीबारी की घटनाओं में फिलहाल किसी की मौत की खबर नहीं है। राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को कहा था- उन्होंने सुरक्षा सलाहकार और मणिपुर के डीजीपी को इंफाल पूर्वी जिले में सिक्योरिटी और मजबूत करने का निर्देश दिया है। सुरक्षाबल उग्रवादियों की गोलीबारी का जवाब दे रहे हैं। 25 दिसंबर को सीएम ने कहा था कि मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। हम किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं हैं। मणिपुर के सीएम बिरेन सिंह ने 25 दिसंबर को कहा था- मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। बीजेपी ही मणिपुर को बचा सकती है, क्योंकि वो 'एक साथ रहने' के विचार में विश्वास करती है। उन्होंने कहा था कि आज मणिपुर में जो कुछ हो रहा है उसके कई कारण हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने श्री चिरहुलानाथ मंदिर में हनुमान जी के दर्शन

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज रीवा स्थित श्री चिरहुलानाथ मंदिर में हनुमान जी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात श्री कृष्ण रसामृत सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा व्यास पंडित बाला व्यंकटेश शास्त्री जी से कथा श्रवण का पुण्य लाभ अर्जित किया।

मानव अधिकार आयोग ने दो आईएएस को जारी किया वारंट

एसीएस राजन और आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत वरवड़े का जारी हुआ जमानती वारंट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और कमिश्नर निशांत वरवड़े के खिलाफ 5-5 हजार रुपए के जमानती वारंट जारी किए हैं।

दोनों अधिकारियों को 22 जनवरी 2025 को आयोग के सामने पेश होने का आदेश दिया गया है। निशांत वरवड़े पर एक महिला स्पोर्ट्स ऑफिसर के मामले में भी वारंट जारी हुआ है। इसके अलावा, लोक निर्माण विभाग के मुख्य इंजीनियर पर भी वारंट जारी किया गया है।

मोतीलाल विज्ञान कॉलेज भोपाल के प्रोफेसर कैलाश त्यागी ने अर्जित अवकाश (एलटीसी) की राशि रोकने की शिकायत आयोग में की थी। उन्होंने कॉलेज प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई और अपनी राशि ब्याज सहित

दिलाने की मांग की थी।

आयोग ने इस मामले में अनुपम राजन और निशांत वरवड़े से रिपोर्ट मांगी। कई बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके चलते आयोग ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है।

वरवड़े के खिलाफ दूसरा वारंट भी जारी- महिला स्पोर्ट्स अफसर के मामले में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत न करने पर आयोग ने कमिश्नर उच्च शिक्षा निशांत वरवड़े के खिलाफ 5000 रुपए का दूसरा जमानती वारंट भी जारी किया है। उन्हें 22 जनवरी को आयोग के समक्ष उपस्थित रहने को कहा गया है।

एक महिला स्पोर्ट्स ऑफिसर ने अपने कॉलेज के प्राचार्य पर जातिसूचक टिप्पणी का आरोप लगाया था। इस मामले में भी आयोग ने निशांत वरवड़े से रिपोर्ट मांगी थी। कई नोटिस भेजने के बावजूद रिपोर्ट नहीं दी गई, इसलिए आयोग ने वरवड़े के खिलाफ दूसरा वारंट जारी कर दिया है

मुख्य इंजीनियर के खिलाफ वारंट- राजधानी भोपाल के बावड़िया कलां ओवरब्रिज की सड़क तीन साल में ही खराब हो गई। इस मामले में आयोग ने पीडब्ल्यूडी के मुख्य इंजीनियर संजय मस्के से रिपोर्ट मांगी। बार-बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी रिपोर्ट नहीं मिली। इसके चलते मस्के के खिलाफ भी जमानती वारंट जारी किया गया है।

अब सभी अधिकारियों को 22 जनवरी 2025 को आयोग के सामने हाज़िर होना होगा। इन वारंटों की तामील कराने की जिम्मेदारी भोपाल पुलिस आयुक्त को सौंपी गई है।

युवा युग श्रेजेता शिविर एवं गायत्री महायज्ञ की तैयारी

शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि के साथ स्थान चयन व व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आगामी युवा युग श्रेजेता शिविर की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं, जिसके संबंध में गायत्री शक्तिपीठ में शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि केदार प्रसाद दुबे की मौजूदगी में गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह शिविर नवंबर 2025 में भोपाल में आयोजित होगा, जिसके लिए स्थान चयन और प्राथमिक तैयारियों पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

इसके साथ ही, शाम को प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा में जिला स्तरीय अखंड ज्योति पाठक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अखंड ज्योति पाठकों का सम्मान किया गया। सम्मेलन में पाठकों ने अपनी अनुभूतियां साझा कीं और आरपी हजारी ने सदस्य विस्तार पर जोर दिया। साथ ही, 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं, जो 13 से 16 जनवरी 2025 तक मंडीदीप में आयोजित किया जाएगा। भोपाल, मंडीदीप और औबेदुल्लागंज के गायत्री परिजन गांव-गांव, घर-घर अलख जगा रहे हैं। मंडीदीप में प्रतिदिन शाम को दीप यज्ञ की श्रृंखला संचालित हो रही है और प्रभात फेरियों के माध्यम से महायज्ञ का निमंत्रण दिया जा रहा है।

मनोज मीक बने राजा भोज एयरपोर्ट के सलाहकार सदस्य

हमारी प्राथमिकता यात्री अनुभव को बेहतर बनाना और वैश्विक मानकों पर खरा उतारना : मीक

भोपाल (नप्र)। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शहरी विकास विशेषज्ञ, साहित्यकार और क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक को राजा भोज हवाईअड्डा सलाहकार समिति का सदस्य नामांकित किया है। यह नियुक्ति मीक के लंबे समय से चले आ रहे विकास के योगदान को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस अवसर पर मीक ने कहा, मैं अपने सांसद आलोक शर्मा का आभार व्यक्त करता हूँ और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया का धन्यवाद करता हूँ। यह हमारा दायित्व है कि सांसद के मार्गदर्शन में भोपाल के हवाईअड्डे को ऐसा केंद्र बनाये जो न केवल शहर की जरूरतों को पूरा करे, बल्कि इसके आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में भी योगदान दे। हमारी प्राथमिकता यात्री अनुभव को बेहतर बनाना और हवाईअड्डे को वैश्विक मानकों पर खरा उतारना है।

हवाईअड्डा की मौजूदा चुनौतियाँ

राजा भोज हवाईअड्डा मध्य भारत के प्रमुख हवाईअड्डों में से एक है, लेकिन इसकी प्रगति के लिए कई मुद्दों का समाधान आवश्यक है।

कनेक्टिविटी की कमी

यात्री सुविधाओं में सुधार, टर्मिनल क्षमता और विस्तार, रात में उड़ान सेवाओं की सीमित सुविधा, पर्यावरणीय प्रभाव, आर्थिक विकास, सुरक्षा और तकनीकी उन्नयन।

डा. मनमोहन सिंह के निधन पर देवडा, शुक्ल व चौहान ने व्यक्त किया शोक

भोपाल (नप्र)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनकी बुद्धिमता, सहनशीलता, दूरदर्शिता, विनम्रता और समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा इस कठिन घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

वही उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि उनकी विद्वत्ता, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा हमेशा हम सबके लिये प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंदी के समय भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और आर्थिक उदारीकरण के माध्यम से स्वदेशी अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वह वैमनस्यता राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित में काम करने वाले व्यक्ति थे। भारतीय अर्थव्यवस्था को नव जीवन देने में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजन को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इधर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रख्यात अर्थशास्त्री, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि उनकी विद्वत्ता, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा हमेशा प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेंगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और परिजन एवं प्रशंसकों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

डॉ मनमोहन सिंह जैसे अर्थशास्त्री का जाना देश के लिए बड़ी क्षति

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जैसे अर्थशास्त्री का जाना देश के लिए बड़ी क्षति है। देश की अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता है।मंत्री शुक्ला ने परमपिता परमात्मा से मृत आत्मा को श्री चरणों में स्थान एवं दंदरौआ धाम सरकार से शोक संतप्त परिवार को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

जिसने कैब चालक को पीटा, उसकी कार पर राज्यमंत्री की तख्ती

भोपाल में बीजेपी का झंडा लगाकर घूमता था, रेप का भी आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हलालपुरा में बुधवार देर रात कैब चालक को पीटने वाला आरोपी खुद को भाजपा नेता बताता है। उसने अपनी काले रंग की स्कॉर्पियो पर राज्यमंत्री की तख्ती लगा रखी थी। सितंबर 2023 में बैरागढ़ थाने में उस पर रेप की एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

दरअसल, हलालपुरा में 25 दिसंबर को स्कॉर्पियो सवार युवकों ने सरेराह कैब चालक को पीटा था। उसकी कार में भी तोड़फोड़ की थी। लाइट ब्लू रंग की जैकेट पहने आरोपी की पहचान योगेश राजपूत के तौर पर हुई है। योगेश के खिलाफ खजूरी इलाके में एक जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत हो चुकी है। वह बीजेपी के नेताओं के साथ बैनर और पोस्टर लगाकर रसूख दिखाता है।

मारपीट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार- पुलिस ने दो आरोपी शुभम पिता राम सिंह गुजराती (20) और अयान पिता मुनव्वर खान (19) निवासी गांधी नगर को गिरफ्तार कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई बीएस पंवार ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में कार योगेश राजपूत की होना बताया है। मारपीट शुभम और अयान ने की है। योगेश और एक अन्य भी साथ ही थे। इधर, पुलिस का कहना है कि विवाद का

कारण साफ नहीं हो सका है। फरियादी ने अचानक कार रोककर मारपीट करने की बात बताई है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि खजूरी सड़क से खाना खाकर लौट रहा था। पीछे से काले रंग की स्कॉर्पियो कार आई। हलालपुरा बस स्टैंड पर रोकने के बाद उसके साथ मारपीट और कार में तोड़फोड़ की गई।

योगेश बोला- पुलिस ने गलत कार्रवाई की- योगेश राजपूत का कहना है कि, पुलिस ने मेरे खिलाफ गलत कार्रवाई की है। एफआईआर दर्ज करने के बाद मुझे सूचना दी गई थी। जबकि कैब चालक नशे में थे। अन्य युवक जिन्हें मैं नहीं जानता, वह उसे पीट रहे थे। मैं केवल बीच-बचाव कर रहा था। कैब चालक नशे में था, उसने खजूरी इलाके में भी एक्सीडेंट किया था। मैं केवल उसका पीछा कर रहा था। जब अज्ञात लोगों ने उसको पीटना शुरू किया तो मैंने सिर्फ बीच बचाव किया है। मैंने मारपीट नहीं की थी।

युवक ने सरेराह महिला पर गंदगी फेंकी

भीड़ ने पीटा, पुलिस बोली- मानसिक विक्षिप्त है; रहवासियों ने कहा- खुद को एडवोकेट बताता है

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जहांगीराबाद बाजार में युवक ने महिला पर पेशाब फेंक दिया। महिला ने शोर मचाया तो भीड़ ने युवक की पिटाई कर दी। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी मानसिक विक्षिप्त था। घटना बुधवार की है, जबकि आरोपी को पीटते हुए वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। टीआई आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि 26 वर्षीय महिला जहांगीराबाद थाना क्षेत्र की रहने वाली है। रिश्तेदार महिलाओं के साथ बुधवार को चाट खाने जहांगीराबाद बाजार में आई थी। यहां निसार अली नाम के मानसिक विक्षिप्त युवक ने महिला पर पेशाब फेंक दिया। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी को भीड़ ने पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाने में आरोपी पर कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया है। निसार भी जहांगीराबाद में ही रहता है।

जमकर की गई पिटाई- पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आया है। जिसमें लोग युवक की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इधर स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी का नाम निसार अली उर्फ अनवर हुसैन है। वह स्वयं को एडवोकेट बताता था, बुधवार को पेशाब को पॉलीथिन में भरने के बाद उसने महिला पर फेंक दिया था।

कौशल विकास संचालनालय एवं इंडो जर्मन इनीशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन के मध्य हुआ एमओयू

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देने के लिए कौशल विकास संचालनालय और सीमेंस लिमिटेड के बीच इन्डो-जर्मन इनिशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम के दूसरे चरण के तहत द्विपक्षीय समझौता (एमओयू) संपन्न हुआ। इस अवसर पर कौशल विकास संचालनालय के संचालक श्री गिरीश शर्मा (आईएएस) और सीमेंस लिमिटेड के श्री धर्मवीर सिंह ने इस समझौते का आदान-प्रदान किया। आईजीएनआईटीई प्रोग्राम, जो जर्मन ड्यूल वीईटी (दोहरे व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) मॉडल पर आधारित है। इस प्रोग्राम के तहत प्रदेश के चार प्रमुख इंडस्ट्री क्लस्टर–ग्वालियर/शिवपुरी, जबलपुर/कटनी, सागर/दमोह और रीवा/सतना के अंतर्गत 40 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। इन संस्थानों में 10 प्रमुख ट्रेड्स, जैसे इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, फिटर, टर्नर, और वेल्डर के छात्रों को उद्योग आधारित 'इन-प्लांट ट्रेनिंग' दी जाएगी।

सीमेंस लिमिटेड के विशेषज्ञ न केवल इन ट्रेड्स के छात्रों को प्रशिक्षण देंगे, बल्कि आईटीआई के प्राचार्यों, प्रशिक्षण अधिकारियों और ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर्स की क्षमता निर्माण पर भी काम करेंगे। यह प्रोग्राम उद्योगों की जरूरतों और छात्रों के कौशल के बीच पुल का काम करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

इसके अलावा, सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कौशल विकास संचालनालय के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण समझौता भी संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब स्थापित की जाएगी। यह लैब डिज़ाइन, सीएनसी प्रोग्रामिंग, 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजीज के माध्यम से कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मानकों पर आधारित तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास है। उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में स्थापित होने वाली मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब को सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के सीएसआर से बनाया जायेगा। यह लैब औद्योगिक डिजिटलीकरण और उन्नत तकनीकों का केंद्र बनेगी। इसमें छात्रों को डिज़ाइन और मॉडलिंग कौशल विकसित करने के लिए सीएडी तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, सी एन सी प्रोग्रामिंग और सिमुलेशन का व्यावहारिक अनुभव फिजिकल और वर्चुअल सिमुलेटर्स के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। लैब में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, 3डी प्रिंटिंग की अत्याधुनिक तकनीकों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो छात्रों को उत्पाद निर्माण की नई प्रक्रियाओं से परिचित कराएगा। इसके अलावा, डिजिटल कौशल और इंडस्ट्री 4.0 के अनुरूप आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर, छात्रों को भविष्य के उद्योगों की जरूरतों के लिए तैयार किया जाएगा।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने इसे युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर बताते हुए कहा कि यह लैब न केवल प्रशिक्षण का केंद्र बनेगी, बल्कि नवाचार और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देगी।

भोपाल में पांढुर्णा की बीजेपी जिला अध्यक्ष का विरोध

रायशुमारी में विरोध के बाद वीडी, हितानंद से कम्प्लेन करने पहुंचे नेता

भोपाल (नप्र)। नवगठित जिले पांढुर्णा में बीजेपी के जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी के बीच स्थानीय बीजेपी नेताओं ने वर्तमान जिला अध्यक्ष वैशाली महाले के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है।

महाले को दोबारा अध्यक्ष नियुक्त न किया जाए, इसे लेकर पांढुर्णा बीजेपी के नेताओं का एक दल भोपाल पहुंचा है और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा से मिलकर उनके खिलाफ शिकायतें सौंपने वाला है। इस बीच पांढुर्णा में रायशुमारी के बाद जिन नेताओं के नाम के पैनल बने हैं, उन्हें जल्दी ही संगठन को सौंपा जाएगा।

बीती रात पांढुर्णा में बीजेपी के नए जिला अध्यक्ष चयन को लेकर पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी ने 12 मंडल अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ रायशुमारी की।

इस रायशुमारी में जिन नेताओं की दावेदारी जिला अध्यक्ष पद के लिए सामने आई है, उनमें वैशाली महाले प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। वैशाली वर्तमान में भी बीजेपी पांढुर्णा की जिला अध्यक्ष हैं। इनके अलावा रायशुमारी में राहुल मोहोड़, संदीप मोहोड़, देवीदास राउत, सुनीता यादवराव डोबले, कृष्णकुमार डोबले, मीनाक्षी ताई खुरसंगे, और नरेंद्र परमार के नामों की भी चर्चा रही है।

वीडी शर्मा से मिलने पहुंचे भोपाल- चयन प्रक्रिया के बीच पांढुर्णा बीजेपी के नेताओं का एक दल खेमराज तीतरे के नेतृत्व में भोपाल पहुंचा है। इस दल के नेताओं का कहना है कि वे वर्तमान जिला अध्यक्ष वैशाली महाले को दोबारा नियुक्त नहीं होने देना चाहते हैं।

उनका कहना है कि संगठन किसी भी योग्य व्यक्ति को जिला अध्यक्ष बना दे, लेकिन महाले को रिपीट नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में शिकायत रायशुमारी टीम को पहले ही की जा चुकी है और आज इसे बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व के सामने रखने के लिए भोपाल पहुंचे हैं।

जनवरी में बनी थीं महाले अध्यक्ष- बीजेपी प्रदेश संगठन ने जनवरी 2024 में वैशाली महाले को पांढुर्णा का नया जिला अध्यक्ष बनाया था। उनके साथ मऊगंज, मैहर और बड़वानी में भी नए जिला अध्यक्ष बनाए गए थे। लेकिन अब पांढुर्णा में 11 महीने पहले अध्यक्ष बनी महाले का विरोध पार्टी के अंदर ही शुरू हो गया है।

प्रदेश में स्मार्ट सिटी योजना में 7 शहरों में 1253.65 करोड़ रूपये के कार्य

उज्जैन शहर में 284 करोड़ रूपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण

भोपाल (नप्र)। स्मार्ट सिटी योजना के माध्यम से शहरों का समुचित विकास, आर्थिक सुधार और नागरिकों की जीवनशैली में सुधार के कार्य प्रमुख रूप से किये जा रहे हैं। योजना में पिछले एक वर्ष में सातों स्मार्ट सिटी शहरों में 1253 करोड़ 65 लाख रूपये की 21 कार्य पूरे किये जा चुके हैं। वर्तमान में 828 करोड़ के 43 कार्य प्रगति में है। प्रदेश के 7 शहरों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और सतना शहर शामिल है।

सीआईटीआईआईएस में 2 शहरों का चयन- स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा 'द सिटी इन्वेस्टमेंटस् टू इनोवेट इंटीग्रेट एण्ड सस्टेन' (सीआईटीआईआईएस 2.0) प्रोग्राम के कम्पोनेन्ट-1 अंतर्गत राज्य के 2 स्मार्ट सिटी शहर उज्जैन एवं जबलपुर का चयन किया गया है। योजना के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिये चयनित प्रत्येक शहर को 135 करोड़ रूपये के मान से अनुदान राशि प्राप्त होगी। चैलेंज कंपोनेंट-2 के अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिये भेजा है।

जबलपुर-इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मान- केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नर्चरिंग नेबरहुड 1.0 के अंतर्गत किये गये कार्यों के लिये जबलपुर और इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मानित किया जा चुका है। जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा आंगनवाड़ी, पार्कों का विकास कार्य और सिविल अस्पतालों में बच्चों के लिये वैक्सीनेशन सेंटर का निर्माण प्रमुख रूप से किया गया है। इंदौर स्मार्ट सिटी द्वारा सार्वजनिक स्थलों और ज्यादातर बस्तियों में विकास कार्य किये गये हैं। इंदौर स्मार्ट सिटी में जिज्ञासारत उमंग वाटिका और कर्मरथ आदि विकास कार्य प्रगति पर हैं।

जबलपुर और पीथमपुर के प्रस्ताव

केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार इन्क्यूबेशन ऑफ न्यू सिटीज चैलेंज के अंतर्गत जबलपुर टैक्सटाइल एण्ड लॉजिस्टिक क्लस्टर एवं पीथमपुर स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप सेक्टर-7 के प्रस्ताव तैयार कर नई दिल्ली भेजे गये हैं। चयनित शहर को व्हीजीएफ के रूप में एक हजार करोड़ रूपये की राशि प्राप्त होगी।

उज्जैन शहर में यूनिटी मॉल

केन्द्र सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेटस् अंडर पार्ट-वीआई के अंतर्गत 'एक जिला-एक उत्पाद'के प्रचार-प्रसार और विक्रय के लिये उज्जैन शहर में 284 करोड़ रूपये लागत से यूनिट मॉल का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को प्रथम किश्त के रूप में 142 करोड़ रूपये की राशि जारी की गई है। योजना से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन के साथ जिलों में छोटे-मझोले व्यापारियों को अपने उत्पादों के विक्रय के लिये उपर्युक्त स्थान प्राप्त होगा। यह कार्य अगस्त 2025 तक पूरा किये जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

संपादकीय

दिल्ली में गजब सियासत

देश की राजधानी और दिल्ली प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के पहले जिस तरह की राजनीति हो रही है, वह अभूतपूर्व है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अब मुख्यमंत्री नहीं हैं, लेकिन वह सीएम की हैसियत से ही घोषणाएं किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष में बैठी भाजपा और कांग्रेस आम आदमी पार्टी को हर तरीके से घेरने में लगी है। सबसे हैरान करने वाला मामला केजरीवाल द्वारा रेवड़ियों के ऐलान पर दिल्ली की केन्द्र शासित सरकार के दो विभागों द्वारा सार्वजनिक रूप से किया गया खंडन है। हाल में केजरीवाल ने दिल्ली प्रदेश की सभी महिलाओं को प्रति माह 2100 रू. देने तथा बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की योजना की घोषणा की थी। यह केजरीवाल की आजमाई हुई रेवड़ी राजनीति की ही अगली कड़ी थी। इसके लिए बाकायदा 23 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन भी शुरू कर दिए गए। लेकिन 25 दिसंबर को दिल्ली सरकार के ही दो विभागों के अफसरों ने अखबारों में विज्ञापन देकर इसे फ्रॉड बता दिया। दिल्ली सरकार के महिला और बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक की ओर से जारी विज्ञापन में कहा गया कि एक राजनीतिक पार्टी दिल्ली की महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला योजना के तहत 2100 रुपए प्रति माह देने का दावा कर रही है। यह स्पष्ट किया जाता है कि दिल्ली सरकार द्वारा ऐसी कोई योजना अधिसूचित नहीं की गई है। दिल्ली की जनता को सलाह दी जाती है कि वे ऐसी गैर-मौजूद योजना के वादों पर विश्वास न करें, क्योंकि ये भ्रामक और बिना किसी अधिकार के हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ऐसी किसी भी देनदारी या धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के विशेष सचिव की ओर से एक अन्य विज्ञापन जारी किया गया। इसमें संजीवनी योजना को भी फ्रॉड बताया। कहा गया कि आज तक ऐसी कोई भी कथित संजीवनी योजना अस्तित्व में नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने न तो किसी स्वास्थ्य अधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति को बुजुर्ग नागरिकों से ऐसी व्यक्तिगत जानकारी और डेटा एकत्र करने के लिए अधिकृत किया है, न ही विभाग इस संबंध में कोई कार्ड प्रदान करता है। जनता कथित गैर-मौजूद संजीवनी योजना के तहत मुफ्त इलाज के किसी भी वादे पर विश्वास न करें। वैसे ये घोषणाएं करके केजरीवाल ने बड़ा दांव खेला है। उन्हें पता है कि दिल्ली राज्य में एलजी (उपराज्यपाल) की अनुमति के बगैर कोई योजना लागू नहीं की जा सकती। फिर भी उन्होंने मतदाताओं के सामने अभी से दाना डाल दिया है ताकि चुनाव में इसका लाभ उठाया जा सके। दिल्ली सरकार के विभागों ने जो खंडन करने वाले विज्ञापन छापे हैं, वह यकीनन केन्द्र सरकार के इशारे पर ही जारी किए गए हैं। वैसे इस बार दिल्ली का चुनाव केजरीवाल के लिए आसान नहीं है, क्योंकि उनकी सबसे बड़ी ताकत ईमानदारी पर बट्टा लग चुका है। बावजूद इसके भाजपा की ताकत भी इतनी नहीं बढ़ी है कि वह दिल्ली से आप को हटा दे। हालांकि इस बार कांग्रेस भी आप के प्रति हमलावर है। अगर कांग्रेस पार्टी चुनाव में आप के वोट बैंक में बड़े पैमाने पर सेंध लगाने में सफल रही तो भाजपा के लिए संभावनाएं बन सकती हैं। लेकिन यह इतना आसान नहीं है। दरअसल केजरीवाल ने जो नई रेवड़ियों की घोषणा की है, उसके पीछे रणनीति यह साबित करने की है कि वो दिल्ली की जनता को बहुत कुछ देना चाहते हैं, लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार उन्हें काम करने देना नहीं चाहती। इससे केजरीवाल को सहानुभूति का लाभ मिल सकता है। कितना मिलेगा, कहना मुश्किल है। पर दिल्ली की सियासत में जिस तरह के वार पलटवार हो रहे हैं, उसने दिल्ली विधानसभा चुनाव को दिलचस्प जरूर बना दिया है।

नजरिया

एकलव्य प्रसाद

लेखक 'मेघ पाईन अभियान' के मैनेजिंग ट्रस्टी हैं।

बदहाल बाढ़ प्रबंधन के दुष्चक्र में बिहार

बिहार में बाढ़ के प्रभाव के आंकड़े बार-बार आने वाली इस आपदा की गंभीरता को विस्तार से प्रस्तुत करते हैं। दो दशकों में कुल मिलाकर, 2005 से 2024 तक बिहार में बाढ़ ने 351 जिलों, 2308 प्रखंडों, 21527 पंचायतों और 1196.8 लाख लोगों को प्रभावित किया है। संचयी प्रभावों के कारण 351 जिलों के आंकड़े का मतलब यह नहीं है कि बिहार में 351 जिले हैं, बल्कि यह है कि जिले अलग-अलग वर्षों में बार-बार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और प्रत्येक घटना को गिना गया है। यदि किसी जिले को कई वर्षों तक बाढ़ का सामना करना पड़ा है, तो यह कुल में योगदान देता है। इन आंकड़ों से साल-दर-साल बाढ़ से प्रभावित जिलों, प्रखंडों, पंचायतों और आबादी की संख्या में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव का पता चलता है।

उत्तर बिहार में राज्य द्वारा किए गए व्यापक प्रयासों और लोगों की स्थायी पीड़ा के बीच बाढ़ और बाढ़ प्रबंधन एक बड़ा विरोधाभास प्रस्तुत करता है। पिछले वर्षों में बाढ़ प्रबंधन के रूप में कई संरचनात्मक हस्तक्षेपों के बावजूद, 2005 से 2024 तक तबाही के आंकड़े अपर्याप्त और असंगत प्रबंधन की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं, क्योंकि राज्य में बाढ़ का कहर अब भी जारी है। यह लेख मुख्य रूप से उत्तर बिहार में बाढ़ के चक्र और बाढ़ प्रबंधन रणनीतियों, नीतियों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर के बारे में है।

बिहार में बाढ़ के प्रभाव के आंकड़े बार-बार आने वाली इस आपदा की गंभीरता को विस्तार से प्रस्तुत करते हैं। दो दशकों में कुल मिलाकर, 2005 से 2024 तक बिहार में बाढ़ ने 351 जिलों, 2308 प्रखंडों, 21527 पंचायतों और 1196.8 लाख लोगों को प्रभावित किया है। संचयी प्रभावों के कारण 351 जिलों के आंकड़े का मतलब यह नहीं है कि बिहार में 351 जिले हैं, बल्कि यह है कि जिले अलग-अलग वर्षों में बार-बार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और प्रत्येक घटना को गिना गया है। यदि किसी जिले को कई वर्षों तक बाढ़ का सामना करना पड़ा है, तो यह कुल में योगदान देता है। इन आंकड़ों से साल-दर-साल बाढ़ से प्रभावित जिलों, प्रखंडों, पंचायतों और आबादी की संख्या में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव का पता चलता है।

यह डेटा प्रभावित जिलों, ब्लॉकों, पंचायतों और आबादी की संख्या में साल-दर-साल अंतर दिखाता है, जो दर्शाता है कि जहां कुछ वर्षों में कम बाढ़ आई, वहीं अन्य वर्षों में व्यापक तबाही हुई। ऐसे में राज्य की संरचनात्मक बाढ़ प्रबंधन रणनीति को कितना श्रेय दिया जाना चाहिए, यह एक बड़ा सवाल है। राज्य में बार-बार आने वाली बाढ़ संकटग्रस्त समुदायों पर बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए टिकाऊ, दीर्घकालिक समाधानों की कमी को उजागर करती है। यह मुख्य रूप से बुनियादी ढांचा-आधारित कार्यों पर निर्भर रहने की बजाय व्यापक, समुदाय-आधारित गैर-संरचनात्मक बाढ़ प्रबंधन समाधानों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। डेटा साबित करता है कि बुनियादी ढांचा-आधारित हस्तक्षेप केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है।

गहन विश्लेषण से कुछ चिंताजनक रुझान सामने आते हैं। उदाहरण के लिए, 2016 से 2021 तक की बाढ़ ने एक बार फिर नियमित बाढ़ की व्यापकता से निपटने के लिए बहुप्रतीक्षित 'प्रभावी बाढ़ प्रबंधन उपायों' की कमी को उजागर कर दिया है, जो हर साल लाखों लोगों की तबाही को रोकने में विफल रही है। इन छह सालों में कुल 606 लाख आबादी तबाह हुई। ये आंकड़े बढ़ती कमजोरियों और उन चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं जिनसे प्रभावी ढंग से नहीं निपटा गया। डेटा यह भी इंगित करता है कि बाढ़ प्रबंधन में स्थानीय संदर्भों को पर्याप्त रूप से लागू नहीं किया गया है।

ये चौंका देने वाली संख्याएँ उस पीड़ा की भयावहता को रेखांकित करती हैं जो बाढ़ग्रस्त बिहार के निवासी साल-दर-साल झेलते हैं। बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रमों की एक लंबी सूची के बावजूद, जो मुख्य रूप से तटबंध निर्माण पर केंद्रित है, बाढ़ की व्यापक और गंभीर घटनाओं और प्रभाव को नहीं रोक पाया है। प्रासंगिक, प्रभावी और टिकाऊ बाढ़ प्रबंधन प्रथाओं और नीतियों की कमी स्पष्ट है, क्योंकि प्रभावित समुदायों पर बाढ़ के बोझ को कम करने में बहुत कम प्रगति हुई है।

बिहार में बाढ़ प्रबंधन मुख्य रूप से तटबंधों के निर्माण और अन्य संरचनात्मक कार्यों पर केंद्रित रहा है। हालाँकि इनमें कार्यों की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। तटबंधों के टूटने की घटनाएं अक्सर देखी जाती हैं जो निश्चित रूप से राज्य में बाढ़ की भयावहता और प्रभाव को बढ़ा देती हैं। 2024 की हालिया बाढ़ के दौरान तटबंधों की स्थिति इसका एक आदर्श उदाहरण है। गैर-संरचनात्मक समाधानों को शामिल किए बिना, तटबंधों पर अत्यधिक निर्भरता ने बाढ़ प्रबंधन को और अधिक जटिल बना दिया है।

तटबंधों को प्राथमिक रणनीति के रूप में बढ़ावा देते हुए, अपर्याप्त निगरानी और रखरखाव तथा नदियों के स्वभाव के प्रति सम्मान की उपेक्षा के परिणामस्वरूप तटबंध टूटे हैं, जिससे बाढ़ की स्थिति और भी बदतर हुई है। बुनियादी ढांचे के कार्यों पर इस जोर ने बाढ़ प्रबंधन के प्रति एक व्यावसायिक मानसिकता पैदा की है। यहां दीर्घकालिक सुरक्षा और स्थिरता के लिए बिना किसी जवाबदेही के धन आवंटित किया जाता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संरचनाओं की विफलता के कारण समुदाय को हुई तबाही के लिए कोई ज़िम्मेदारी नहीं ली जाती। कुछ मामलों में, सुरक्षा प्रदान करने की आड़ में अनावश्यक संरचनाओं का निर्माण किया जाता जो तटबंध परियोजनाओं की त्रुटिपूर्ण योजना और कार्यान्वयन को रेखांकित करता है।

बिहार में नियमित बाढ़ पारदर्शिता, जवाबदेही और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर भी सवाल उठाती है। बाढ़ प्रबंधन त्रिपक्षीय समूह के लिए एक आकर्षक व्यवसाय प्रतीत होता है, जिसमें हर साल तटबंध निर्माण और मरम्मत के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की जाती है। फिर भी समुदायों द्वारा नियमित रूप से अनुभव की जाने वाली बाढ़ को कम करने में कोई ठोस परिणाम नहीं मिले हैं। आवंटित संसाधनों और ज़मीन पर वास्तविक राहत के बीच विसंगति एक गलत इरादे वाले तंत्र को दर्शाती है जो बिहार की बाढ़ समस्या के मूल कारणों से निपटने में विफल है।

बाढ़ के दौरान और उसके बाद पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा के विकल्पों की कमी के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समुदाय तबाह रहते हैं। बाढ़ स्थानीय आजीविका, कृषि और बुनियादी ढांचे को गंभीर रूप से प्रभावित करती है, जो क्षेत्र में मौजूद गरीबी के बने रहने और गहराने का मुख्य कारण बन जाती है। बाढ़ हजारों परिवारों को विस्थापित भी कर देती है। यह बताना जरूरी है कि 2005 से लेकर 2024 तक एक भी साल ऐसा नहीं रहा, जब बिहार में बाढ़ नहीं आयी हो। लोगों को नियमित रूप से वार्षिक आधार पर इस आघात से गुजरना पड़ता है। आंकड़े बताते हैं कि दशकों के बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों के बावजूद बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए बहुत कम उपलब्धि हासिल की गई है।

बिहार में बाढ़ की रोकथाम के लिए बाढ़ प्रबंधन में निवेश और लोगों की अंतहीन पीड़ा की जमीनी हकीकत के बीच विरोधाभास है। जब तक टिकाऊ और समुदाय-संचालित बाढ़ प्रबंधन समाधान, बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के लिए बेहतर रखरखाव और जवाबदेही और बाढ़ संकट को कायम रखने वाले प्रणालीगत मुद्दों से निपटने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति में बदलाव नहीं किया जाता, तब तक बिहार के लोग इसका सामना करते रहेंगे। यह स्थिति बाढ़ प्रबंधन के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है जिसमें आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों में गैर-संरचनात्मक उपाय, सामुदायिक भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही शामिल हो। ऐसे बदलावों के बिना, बिहार बाढ़ के दुष्चक्र में फंसा रहेगा, जहां बाढ़ प्रबंधन का लाभ कुछ चुनिंदा लोगों को मिलेगा, जबकि आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ेगी। (सप्रेस)

विश्व राजनीति

संजीव ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

अमेरिका की हरकतों से विश्व युद्ध की आशंका

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन जाते-जाते भी यूक्रेन को सामरिक तथा आर्थिक मदद का पैकेज देकर रूस के खिलाफ विश्व युद्ध की चिंगारी को भड़काकर जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भी रूस यूक्रेन और इजराइल हमास युद्ध रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष से अधिक समय हो चुका है वहीं इजराइल हमास और फिलिस्तीन युद्ध को भी एक वर्ष से अधिक हो चुका है। अमेरिका यूरोपीय देश यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करके विश्व युद्ध की आशंका को बने हुए हैं। इसके अलावा भी यह देश यूक्रेन को रूस के खिलाफ लगातार भड़काते आ रहे हैं और यही वजह है कि विश्व युद्ध की भीषण विभीषिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट रूप से कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि तो कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास ,हिजबुल्ला और फलस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इजराइल का विरोध करवाता आ रहा है. ब्लिंकन ने कहा हमास के इसराइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इसराइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इजरायल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है हमास का आक्रमण इजरायल की प्रभु सत्ता को चुनौती देने वाला है इसलिए इजराइल को हमास पर आक्रमण करने का पूरा-पूरा वैधानिक हक है इजरायल को अपनी जनता तथा अपनी भूमि की रक्षा करने का पूरा अधिकार है इसराइल अपना कर्तव्य निभा रहा हैद्य लिंकन ने स्पष्ट कहा है यदि ईरान, जॉर्डन, सीरिया या लेबनान अमेरिकी सैनिकों पर हमला करेगा तो उसका तुरंत माकूल जवाब दिया जाएगा। इधर ईरान के प्रमुख आयतुल्लाह खुमैनी ने कहा कि गाजा पट्टी में निर्दोष नागरिकों तथा बच्चों महिलाओं की हत्या का सारा दोष अमेरिका प्रशासन को जाता है जिसने इजराइल को गाजा पट्टी पर निर्दोष नागरिकों पर आक्रमण करने की खुली छूट देकर रखी है और यदि अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो खाड़ी के अनेक राष्ट्र शामिल होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका पर होगी। यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है। चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है. रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को पूरी तरह नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले। इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और वह चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इजराइल हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण करके ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर लेद्य चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़काकर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे-सीधे इसराइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया है। 7 अक्टूबर 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इजराइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के फ्रंटलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है कॉलेटरल डैमेज के रूप में वहां के नागरिक तथा बच्चों एवं स्त्रियां भी मौत की नींद सो चुके हैं। हमास इजराइल लड़ाई में नया

मोड़ तब आया जब गाजा के एक अस्पताल में बम गिरकर 500 लोगों की हत्या कर दी गई और इसका सारा ठीकरा इजराइल के सर फोड़ दिया गया है इतराइल ने इस बात से साफ इनकार किया है और कहा है कि इसके पीछे खुद हमास एवं फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद है जिसने गाजा के इस अस्पताल में हमला कर इजराइल के खिलाफ एक नया षड्यंत्र रचा है। इस हमले से क्रुद्ध होकर खाड़ी देशों के सभी मुस्लिम राष्ट्र जिनकी संख्या लगभग 57 है सब एक हो गए हैं और इजरायल के साथ लगभग 87 देश समर्थन में जुड़ गए हैं जिसमें प्रमुख तौर पर अमेरिका,ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा एवं अन्य देश जिसमें भारत भी शामिल है का इजराइल को समर्थन है। अब मुख्य मुद्दा यह है कि हमास द्वारा 200 नागरिकों को बंधक बना लिया है जिनको वह मुक्त करने के मूड में नहीं दिखाई दे रहा है इजराइल का लगातार आक्रमण कर यह दबाव है कि पहले वह बंधकों को इसराइल के हवाले करें फिर इजराइल अपना आक्रमण रोकेगा।अब इजरायल की थल सेना भी आक्रमण करने पूरी तरह सक्षम एवं तैयार है ऐसी स्थिति में पूरी गाजा पट्टी संपूर्ण तबाह हो जाएगी और लगभग 20 लाख फिलिस्तीन निवासी नागरिक शरणार्थी बन चुके और बेघर भी हो चुके हैं। ईरान ने हमास को इजराइल पर आक्रमण के आदेश देने के समय तक यह नहीं सोचा था की स्थिति यहां तक बिगड़ जाएगी। चीन रूस जरूर ईरान के साथ हैं पर यह जरूरी नहीं है कि इजराइल और हमास की युद्ध से पैदा होने वाले विश्व युद्ध में वे ईरान और खाड़ी देशों का कितना साथ दे पाएंगे। भारत को भी हमास इजरायल युद्ध से चौकन्ना रहने की आवश्यकता होगी क्योंकि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी हमास जैसे आतंकवादियों को बना देने का कई वर्षों से मुजरिम है और वह कभी भी आतंकवादियों के माध्यम से भारत में हमला कर सकता है तथा भारत को अपनी सीमा पर चौकसी बढ़ा देना चाहिए। इसके अलावा भारत ने अपनी नीति स्पष्ट करके रखी है, उसने हमास के आतंकवादियों का विरोध किया है पर फिलिस्तीन देश का वह कई वर्षों से समर्थन करता आया है और 38 टन मदद की रसद तथा दवाइयां उसने गाजा पट्टी पर भिजवाई भी है। भारत का दृष्टिकोण मानवतावादी है। उसने हमास का विरोध इसराइल पर आक्रमण करने के लिए किया है इसीलिए उसने इजराइल का समर्थन किया पर अब इजरायल के गाजा पट्टी पर निर्दोष लोगों के मारे जाने का विरोध भी किया है। अरब खाड़ी के कई देश भारत से यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वह जॉर्डन, लेबनान, मिश्र, ईरान,इराक और इजरायल, अमेरिका ,ब्रिटेन के नेताओं से चर्चा कर युद्ध विराम पर प्रभावी कदम उठाये। सबकी नजर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है क्योंकि नरेंद्र मोदी के संबद्ध सभी देश के राष्ट्र प्रमुखों से मधुर है एवं भारत की नीति ही शांति संदेश देने की रही है। ऐसे में भारत एक प्रमुख शांति दूत के रूप में वैश्विक भूमिका निभा सकता है जो विश्व युद्ध रोकने में काफी कारगर होगी।

परस्पर शांति है धर्म की पहचान

दर्शन

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

सब देहों से मिलकर देश धर्म धारण करता है। धर्म हर देह में बसा है। नि:स्वार्थ कर्म की कुशलता के लिए साध्य और साधन देह ही है। इनके संतुलन के बिना देश में धर्म को नहीं साधा जा सकता। योग साधना में आठ क्रम बताये गये हैं... यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। ध्यान सातवें क्रम पर आता है। उसे साधने के पहले व्यक्तिगत रूप से छह मार्गों से गुजरना पड़ता है तब व्यक्ति अपने ध्यान में स्थित होने की योग्यता अर्जित कर पाता है। फिर समाधि की स्थिति आती है। कुल मिलकर यह साधना एकान्त की है। धर्म और उसका ध्यान ढिंढोरा पीटने के लिए नहीं, शान्ति के लिए है। अपने-अपने योग से साधा गया साम्य योग ही देश धर्म बन जाता है।

सबसे पहले अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना) ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह (केवल ज़रूरत का लेना) ये पांच यम व्यक्ति को अपने जीवन में साधना पड़ते हैं। इन्हें सार्वभौम महाव्रत माना जाता है। इनमें कोई भेदभाव नहीं हैं। इनके बिना लोक कल्याण में कोई व्यक्ति अपनी भूमिका नहीं निभा सकता। अपने शरीर के भीतर और उसके बाहर की पवित्रता, स्वाध्याय, संतोष, तप और उपासना को नियम कहा जाता है। इनके बिना भाषा, भूषा, भोजन और भजन की अभिव्यक्ति के संयम को नहीं साधा जा सकता।

आसन उसे कहा गया है जिसमें स्थिर होकर बैठने से शरीर को सहज सुख का अनुभव हो। व्यक्ति की इंद्रियां जब आसक्ति से दूर होकर अपने चित्त के स्वरूप को ग्रहण करने लगती हैं तब इसे ही प्रत्याहार कहा जाता है। इसके बाद जब अपने चित्त को किसी उद्देश्य में धारण किया जाता है तब उसे ही धारणा कहते हैं। इस धारणा पर एकाग्र निरंतरता बनाये रखना ही ध्यान कहलाता है। जब ध्यान बाहरी उपाधियों को त्यागकर एकाग्र होने लगे तो उसे ही समाधि की अवस्था कहा जाता है।

समाधि भी दो हिस्सों में बंटी हुई है। वह सविकल्प है और निर्विकल्प भी है। चेतन अविनाशी तत्व प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में स्वत: स्थित है। व्यक्ति के सम्मुख यह प्रश्न रहता है कि अपने शरीर के माध्यम से उस अविनाशी तत्व का उपयोग वह किस मार्ग पर करे क्योंकि सुमति और कुमति व्यक्ति की बूद्धि में रहती हैं। इसीलिए श्रीमद्भग्वद्गीता में योग की नयी परिभाषा करके उसे व्यक्ति के कर्म की कुशलता कहा गया है। संकल्प और विकल्प के द्वंद्व के बीच यह निष्काम कर्म कुशलता सुमति से ही आती है।

अब प्रश्न उठता है कि वह व्यक्ति इस संसार में जन्म लेकर किस परिवेश और भूमिका में स्थित है। विवेकानन्द जी कहते थे कि संसार में जितने व्यक्ति हैं, उतने ही धर्म हैं। वे अपने स्वभाव के अनुरूप इन स्वधर्मों का निर्वाह परिवार, समाज, राज्य और समूची सृष्टि के लिए करते हैं। वे सविकल्प जीवन से घिरे हैं। यह संसार निर्विकल्प नहीं है। जीवन ही जीवन का विकल्प है। कोई भी यह कहने में समर्थ नहीं कि उसके अलावा कोई और विकल्प नहीं हो सकता।

ध्यान लगाया नहीं जाता, वह तो यम-नियम के साधने से अपने आप लगता है। जो ध्यान लगाने की चेष्टा करते हैं वे विफल ही होते हैं। ध्यान से कोई सत्ता प्राप्त नहीं होती, केवल यह सत्यानुभूति होती है कि मेरे चित्त की सत्ता जैसी होगी, मुझे यह संसार वैसा ही दिखायी देने लगेगा। वह मेरे ही चित्त के अनुरूप मेरा शरीर बन जायेगा। योग साधना में चित्त-वृत्ति निरोध करने की सलाह इसीलिए दी गयी है जिससे कि कोई भी व्यक्ति अपने मन, बुद्धि और अहंकार के वशीभूत होकर अपनी मरजी से जीवन को हांकने न लगे। बल्कि उसे ऐसा आत्मबल प्राप्त हो जिससे वह पहचान सके कि सारा जीवन परस्पर आश्रित होकर चल रहा है। उसे कोई एक नहीं चला सकता।

अपने धर्म में स्थित ध्यानमग्न सूर्य अपने आप सबके पथ पर प्रकाशित है।अपने धर्म में स्थित ध्यानमग्न जल कुण्डों, झीलों, सरोवरों में सबकी प्यास बुझाने को अपने आप संचित है। अपने धर्म में स्थित ध्यानमग्न वायु सबके प्राणायाम में अपने आप बसी है। अपने धर्म में स्थित ध्यान मग्न पृथ्वी अपने आप सबको अपने हृदय से लगाये अनंत में घूम रही है। अपने धर्म में स्थित ध्यानमग्न आकाश गहरा मौन धारण कर सब पर छाया हुआ है। प्रकृति अपने धर्म में स्थित होकर ध्यानमग्न है। कोई अपने धर्म का ढिंढोरा नहीं पीट रहा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मान लो, भलाई बांटेंगे तो ही मलाई काटेंगे

कहावतें और लोकोक्तियां कसौटी पर कसी गई होती हैं। इसीलिए दिमाग में सालों-साल बसी हुई होती हैं। ज्यादा जोर लगाने की जरूरत नहीं है। फिलहाल शोर मचाने का मुहूर्त नहीं है। दोस्त शब्द का अर्थ बड़ा मस्त होता है। इसमें दोषों का दमन और शमन हमेशा के लिए अस्त होता है। सही मायनों में सच्चा दोस्त वही होता है। दूसरे की खुशी के लिए हंसते-हंसते रोता है। वक्त के साथ भाषाएं बदलती हैं। समय संग परिभाषाएं बदलती हैं। कभी सोचा नहीं होगा, जो सुन रहे हैं। कम वोटों के बावजूद अनचाहों को चुन रहे हैं। पहले मनचाहे लोगों ने हरि के कर्मक्षेत्र में कहा-बंटेंगे तो कटेंगे। फिर जनता ने नया नारा सहा-एक हैं तो सेफ हैं। महाराष्ट्र में महारथियों ने सबको वोट जिहाद समझाया। अंतत: धर्मयुद्ध बताया। जरा सोचिए, बार-बार चुनाव नहीं होंगे तो विचार बंद हो जाएंगे। अचार से ज्यादा तीखे जहर से अधिक जहरीले प्रचार बंद हो जाएंगे। योग्यता से ज्यादा प्रतियोगिता के लिए नेताओं के नवाचार बंद हो जाएंगे।

अब महाराष्ट्र में महाभारत चालू है। न जाने किसकी है शरारत। मौजूदा हालात में महारत वाले खुद को कह रहे भारत। जनता उदास और कार्यकर्ता हताश-निराश है। परिणाम के बाद कुछ भी नहीं उसके पास है। इंडिया वाले-'सटेंगे तो भी कटेंगे' कह कर तंज करते है। भारत भूमि के रणबांकुरे इस पर भी रंज करते हैं। जीतने वालों के चित्त को वित्त बेचैन कर गया है। गृह पर ग्रहण से तथाकथित सुपरमैन डर गया है। पीडब्ल्यूडी और अर्बन डेवलपमेंट पर भी रार है। दिनों-दिन बढ़ रहा इंतजार है। ये कैसी सरकार है। कहीं दरकार तो कहीं तकरार है। सबकी अपनी-अपनी आस है। खुद पर विश्वास और युति पर अविश्वास है। कृपया ये मत पूछिए, सर्दी के सुनहरे मौसम में कैसी प्यास है। हर कोई दावे से कह रहा है-उन्हें इसका पहले से ही अभ्यास है। तीनों का पता है कि कब क्या बताना है? किस अदा से जताना हैं? कितना और कैसे सताना हैं? एक देश-एक चुनाव की तरह मंतव्य एक है। इसमें कुछ भी बिल्कुल नहीं फेंक है। भलाई बांटना है। मलाई काटना है। आपस में ही एक दूसरे को डांटना है। चौथे, पांचवे और छठे को मौका नहीं देना है। जनता जनार्दन से इतना ही लेना-देना है।

याद रखना जरूरी है। लोकतंत्र में मजबूरी है। सेफ खुली थी। गली-गली बात चली थी। नए-नए नोट निकले थे। कुछ जनता को मिले थे। डायरी और थाने में दर्ज हुए और सेफ नहीं रह पाए। वोट मिलते, मोल-भाव से खिलते, इसी जद्दोजहद में जोर से जिंदाबाद नहीं कह पाए। जो मतदाता नोट नहीं पाए। उनके इलाकों में प्रत्याशी वोट नहीं पाए। बहुत दिन जिहाद चलाए। एक-दूसरे को खूब समझाए। योजनाएं बनाए। केंचुआ की कृपा से बात बन गई। फिर क्या था रातोंरात ठन गई। अब होगा इम्तिहान, इसलिए रहना होगा सावधान...विश्राम नहीं। नाम से बदनाम एजेंसियों को मिलेगा आराम नहीं। बेवजह किसी की सलाह नहीं चाहिए। घर के बड़ों की भी परवाह नहीं चाहिए। कभी सुनते थे- 'दो दिल मिल रहे हैं मगर चुपके-चुपके...फिक्र करते थे छुपके-छुपके' अब एसा नहीं है। दो दोस्त खुलेआम साथ-साथ दिख रहे हैं। हरियाणा-महाराष्ट्र ने ज्यादा शक्ति दी है। नए सिरे से सशक्त किया है, नए नवेलों की भक्ति दी है।

यही समय है। सही समय है। 2025 के लिए रिजोल्यूशन है। वजह के साथ बोलने वालों को भी चुप कराने के लिए उम्दा सॉल्यूशन है। अर्थ की गति और धर्म की प्रगति तेज है। काम की संपूर्णता से परहेज है। काम खत्म तो दाम खत्म। सॉलिड कोई काम न होगा। फिर से देश गुलाम न होगा। गैरसरकारी और असरकारी समाचार पहले ही समाप्त हो गए थे। बोलने-बताने-लिखने वालों को एकतरफा विचार पहले ही प्राप्त हो गए थे। विचार कुत्सित हो गए हैं। अविश्वास के लिए प्रोत्साहित हो गए हैं। नियम-कानून और आचार संहिता दम तोड़ गई है। सत्ताधीशों को नैतिकता भी छोड़ गई है। संसद की कार्यवाही चले। विरोध में बिना बोले चले। फिर हम बताएं कि हमारे साथी कितने भले। जो झूठ बताते हैं, सो ही सुनते हैं। जिन्हें जानते हैं, जनहित में उन्हें ही चुनते हैं। झारखंड में नहीं चला तो क्या दिल्ली से रोहिंगिया के खिलाफ चुनाव से पहले अभियान चलाएंगे। पार्टी की जोरदार हवा बनाएंगे। फिर भी कर्म का फल नहीं मिलेगा तो हार जाएंगे। फिर थोड़ा घबराएंगे। तुरंत ईवीएम को सही ठहराएंगे। फिर बिहार में पुराने प्रयोग दोहराएंगे। नए चेहरे लाएंगे। गुणगान कराएंगे।

स्मृति शेष

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

उन्होंने करोड़ों लोगों को भूख, गरीबी और आर्थिक संकट से उबारा

भूख, गरीबी और आर्थिक संकट से वह अपने प्रधान मंत्रित्वकाल में भी उबारने की कोशिश किए, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। एक समय था जब मनमोहन सिंह ने देश के शिक्षा के लिए बहुत ही जोरदार हस्तक्षेप करके यूजीसी के सुधार के लिए अपनी बौद्धिकता का परिचय दिया था। एक समय आया कि भारतरत्न पी. वी. नरसिम्हा राव जी की सरकार में रहकर देश के आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए मोर्चा थामा। मनमोहन सिंह ने ही अपने कार्यकाल में महात्मा गाँधी नेशनल रोजगार गारंटी जैसी स्कीम दी। इससे सर्वहारा समाज का व्यक्ति लाभान्वित हुआ। पूरे देश में 100 दिन के रोजगार की गारंटी से मजदूरों और श्रमिक समाज को बहुत लाभ मिला। उनकी विनम्रता के भीतर बैठी करुणा की अभिव्यक्ति गरीबों की भूख शांत करके कैसे हो सकती है, यह मनरेगा से दो जून का भोजन पाने वाले गरीब से कोई पूछ ले। भारत के प्रधानमंत्री खुद उनकी तारीफ में बहुत कुछ बोले हैं।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह से मैं सन् 2012 में मिला था। अजित सिंह केंद्रीय मंत्रीमंडल में शामिल होने के लिए मंत्री पद का शपथ लिए थे। उस दिन देश की कई जानी-मानी हस्तियाँ इस शपथ समारोह में सम्मिलित हुए तो उस समय डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। बतौर राष्ट्रपति भवन परिवार का सदस्य होने के नाते उनसे करीब से मिलने का और उनकी भाषा में कहें तो गल करने का मौका मिला। उन दिनों प्रतिभा देवीसिंह पाटील देश की राष्ट्रपति थीं। सच में, वह बतौर प्रधानमंत्री भी बहुत ही सहज और विनम्र थे। वह आम व्यक्ति की ही भांति धीमी आवाज़ में दूसरे के बारे में जानने के लिए उत्सुक होते थे। कल रात जब राबर्ट वाड्रा ने सोशल मीडिया के माध्यम से डॉ. मानमोहन सिंह के निधन की सूचना दी, तो वह वास्तव में पीड़ादायी थी। पूरे देश से फिर उनके बारे में सूचनाएं आने लगीं। उनके जाने से पूरे देश को धक्का लगा है क्योंकि वह विशेष थे। विशेष इसलिए नहीं कि वह देश के प्रधानमंत्री थे बल्कि वह विशेष इसलिए थे क्योंकि उन्होंने भारत में रह रहे करोड़ों लोगों को भूख, गरीबी और आर्थिक संकट से उबारा।

भूख, गरीबी और आर्थिक संकट से वह अपने प्रधान मंत्रित्वकाल में भी उबारने की कोशिश किए, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। एक समय था जब मनमोहन सिंह ने देश के शिक्षा के लिए बहुत ही जोरदार हस्तक्षेप करके यूजीसी के सुधार के लिए अपनी बौद्धिकता का परिचय दिया था। एक समय आया कि भारतरत्न पी। वी। नरसिम्हा राव जी की सरकार में रहकर देश के आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए मोर्चा थामा। मनमोहन सिंह ने ही अपने कार्यकाल में महात्मा गाँधी नेशनल रोजगार गारंटी जैसी स्कीम दी। इससे सर्वहारा समाज का व्यक्ति लाभान्वित हुआ। पूरे देश में 100 दिन के रोजगार की गारंटी से मजदूरों और श्रमिक समाज को बहुत लाभ मिला। उनकी विनम्रता के भीतर बैठी करुणा की अभिव्यक्ति गरीबों की भूख शांत करके कैसे हो सकती है, यह मनरेगा से दो जून का भोजन पाने वाले गरीब से कोई पूछ ले। भारत के प्रधानमंत्री खुद उनकी तारीफ़ में बहुत कुछ बोले हैं।

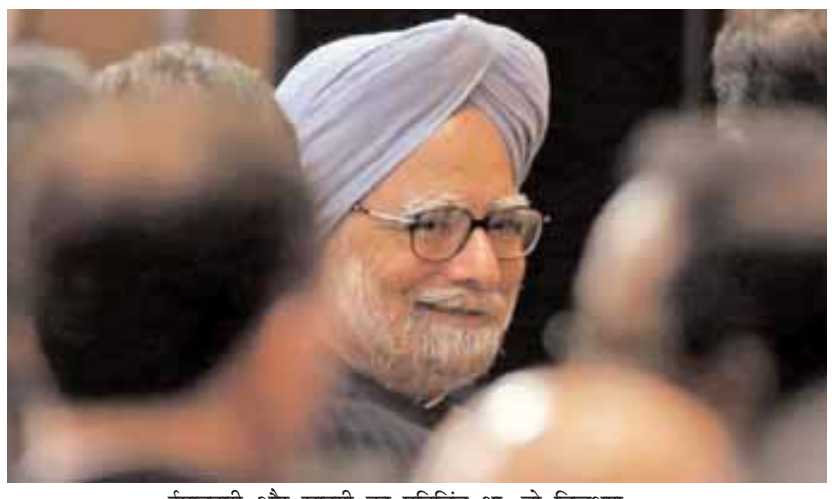

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शब्दशः बातें सभी को जानना ज़रूरी है। यह एक प्रधानमंत्री का दूसरे प्रधानमंत्री के प्रति अंतस से निकले शब्द हैं। उन्होंने कहा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन ने हम सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचाई है। उनका जाना, एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। विभाजन के उस दौर में बहुत कुछ खोकर भारत आना और यहां जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना, ये सामान्य बात नहीं है। अभावों और संघर्षों से ऊपर उठकर कैसे ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है, उनका जीवन ये सीख भावी पीढ़ी को देता रहेगा। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफॉर्म्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में अनेक सेवाएं दीं। एक चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर की भूमिका निभाई। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्री पी.वी. नरसिम्हा राव जी की सरकार के वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को एक नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री के रूप में देश के विकास में और प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो कमिटमेंट था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह जी का जीवन, उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था, वो विलक्षण सांसद थे। उनकी विनम्रता, सौम्यता और उनकी बौद्धिकता उनके संसदीय जीवन की पहचान बनी। मुझे याद है कि इस साल की शुरुआत में जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ, तब मैंने कहा था कि सांसद के रूप में डॉ. साहब की निष्ठा सभी के लिए प्रेरणा जैसी है। सत्र के समय अहम मौकों पर वो व्हील चेयर पर बैठकर आते थे, अपना संसदीय दायित्व निभाते थे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी यहीं तक नहीं रुके बल्कि वह एक लंबी बात कहना चाहते थे देश के नागरिकों से कि दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थाओं की शिक्षा लेने और सरकार के अनेक शीर्ष पदों पर रहने के बाद भी वो अपनी सामान्य पुष्ठ भूमि के मूल्यों को कभी भी नहीं भूले। दलगद राजनीति से ऊपर उठकर उन्होंने हमेशा हर दल के व्यक्ति से संपर्क रखा, सबके लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तब डॉ. मनमोहन सिंह जी के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनेक विषयों पर उनसे खुलेमन से चर्चाएं होती थी। यहां दिल्ली आने के बाद भी मेरी उनसे समय-समय पर बात होती थी, मुलाकात होती थी। मुझे उनसे हुई मुलाकातें, देश को लेकर हुई चर्चाएं हमेशा याद रहेगी। अभी जब उनका जन्मदिन था तब भी मैंने उनसे बात की थी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपने संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं डॉ. मनमोहन सिंह जी को सभी देशवासियों की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इस अश्रुपूर्ण श्रद्धा-शब्द के साथ यह स्पष्ट कर दिया कि मनमोहन सिंह देश के लिए क्या थे। देशहित के लिए जीने वाले इंसान की जीते जी भले उस कसौटी पर न देखा जाता हो लेकिन इहलौकिक जगत से महाप्रयाण करने के बाद वे बातें प्रस्फुटित होती ही हैं, जिस मौलिकता में एक ईमानदार और सत्यनिष्ठ व्यक्ति जीता था। ईमानदारी और इच्छाओं से परे होने की अनेक कहानियाँ भले हम टुकड़े-टुकड़े में जानें लेकिन बीजेपी सरकार के सत्ता में आने से पहले उन्हीं मनमोहन सिंह की ही सरकार थी। न जाने कितने आरोप लगे कांग्रेसी मंत्रियों पर। वे जेल की यात्रा किए लेकिन डॉ. मनमोहन सिंह के ऊपर कोई दाग न पहले लगा सका न आज भी उनके ऊपर कोई दाग है, यह होती है ईमानदारी।

उनके लिए देश की आमजन के हित की ईमानदारी का जीवन ही सच्चा जीवन था। भारत में आर्थिक उदारवाद के साथ भारत की दशा और दिशा बदलने वाले डॉ. मनमोहन सिंह का कद अपने बौद्धिक व्यक्तित्व के कारण भी बहुत उत्कृष्ट था। पूरी दुनिया की आर्थिक महाशक्तियां उनसे परामर्श लेती थीं। वह बहुत साधारण थे लेकिन बहुत विद्वान् होकर लोगों के लिए असाधारण भी थे। जब आज भारत महाशक्ति की स्थिति में पहुँच रहा है तो जो भारत की झोलझाल आर्थिक स्थिति हुई थी, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह सुधार न लाए होते तो आज हम आर्थिक महाशक्ति की बात नहीं कर पाते। बीच में हुए नोटबंदी को लेकर चाहे जो भी भविष्यवाणी डॉ. मनमोहन सिंह ने की वह हो सकता है एक समय बुरी लगी हो लेकिन आज जब देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी दूरदृष्टि के बारे में अपनी बात रखी तो इससे पता चलता है कि मनमोहन सिंह वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय शक्ति के प्रति एक समर्पित योद्धा थे और उनकी उपस्थिति ही देश के लिए बहुत अहम थी। कहने के लिए आज देश भर में डॉ. मनमोहन सिंह के बारे में बहुत कुछ है लेकिन सीखने के लिए बहुत कुछ है। 1932 में पाकिस्तान के गेह में जन्में डॉ. मनमोहन सिंह देश के बंटवारे के साथ भारत आए। अभाव और संघर्ष की अनेक गाथाएं उनके जीवन का आभूषण बनी और उन्होंने खुद की कोशिश से अपने जीवन को देश का आभूषण बना दिया। 92 वर्ष की अवस्था में भारत को अलविदा कह गए सबके मनमोहन डॉ. मनमोहन सिंह। उनके असीम योगदान को भारत हमेशा स्मरण रखे और उनके सुधारवादी नीतियों के साथ आगे बढ़कर देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में ले जाए, यही उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि होगी।

श्रद्धांजलि

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आधुनिक भारत की आर्थिक क्रांति के सूत्रधार

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है।

डॉ. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में कहा था कि दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है, मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए 'मनरेगा' लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा। उन्होंने न केवल आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा बल्कि सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को 'कोलगेट' के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही।

22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी। डॉ. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा 'मूक प्रधानमंत्री' की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक 'द चेजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं।

बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, 'तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।' इसके जवाब में डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था, 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' डॉ. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रैंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा।

26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की। अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के आर्थिक इतिहास में 1991 का वर्ष एक निर्णायक मोड़ था क्योंकि उस समय देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने डॉ. मनमोहन सिंह को वित्तमंत्री नियुक्त किया। वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने साहसिक आर्थिक सुधारों का नेतृत्व किया, जिनमें उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण प्रमुख थे। बहरहाल, राजनीति में डॉ. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान बहुत ही कम देखने को मिलते हैं। उनकी सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी हमेशा संदेह से परे रही। वह एक ऐसा राजनेता थे, जिन्हें राजनीतिक सीमाओं से परे सम्मान प्राप्त था। कुल मिलाकर, तमाम आलोचनाओं के बावजूद डॉ. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक स्थान दिलाया और भारत को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अहम योगदान दिया।

स्मरण आलेख

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

मनमोहन सिंह : भारतीय अर्थव्यवस्था के शिल्पकार

मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के उन अद्वितीय व्यक्तित्वों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी विद्वता और नेतृत्व कौशल से भारत को आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में नए आयाम दिए। एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता के रूप में, उनका योगदान न केवल भारत की आर्थिक नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण रहा है, बल्कि उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में भी अपनी सादगी, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता से देश को दिशा दी। उनका जीवन और कार्य भारतीय राजनीति में एक आदर्श स्थापित करते हैं, जिसमें निजी महत्वाकांक्षाओं से अधिक देशहित को प्राथमिकता दी गई।

मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ। उन्होंने कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों से अपनी शिक्षा पूरी की, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में अद्वितीय विशेषज्ञता हासिल की। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में काम करते हुए उन्होंने वैश्विक आर्थिक नीतियों का गहन अध्ययन किया, जिसका लाभ भारत को उनके नेतृत्व में मिला।

1991 में, जब भारत एक गहरी आर्थिक संकट से जूझ रहा था, मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया। इस समय भारत लगभग दिवालिया होने की स्थिति में था, और विदेशी मुद्रा भंडार चिंताजनक रूप से कम हो चुका था। मनमोहन सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव के नेतृत्व में आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नई नीतियों को लागू किया। उनके साहसिक निर्णयों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक बंद संरचना से मुक्त कर विश्व व्यापार के साथ जोड़ने का काम किया। विदेशी निवेश, औद्योगिकीकरण, और नई तकनीकों के प्रवेश ने भारत की आर्थिक गति को नई दिशा दी। इन सुधारों ने भारत को एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया।

हालांकि इन सुधारों के आलोचक भी कम नहीं थे। समाज के कुछ वर्गों को लगा कि उदारीकरण ने असमानता को बढ़ावा दिया, जिससे अमीर और गरीब के बीच खाई और गहरी हो गई। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि मनमोहन सिंह की नीतियों ने भारत को एक स्थिर आर्थिक नींव प्रदान की। उनके द्वारा किए गए सुधार आज भी भारत की प्रगति के मूल स्तंभ हैं।

2004 में, जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में अप्रत्याशित जीत हासिल की, मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया गया। यह एक ऐसा समय था जब भारतीय राजनीति में सत्ता और

लोकप्रियता का खेल चरम पर था। लेकिन मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी ताकत उनकी कार्यशैली और नीतिगत स्पष्टता थी। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई ऐसी नीतियों और योजनाओं को लागू किया, जिन्होंने सामाजिक और आर्थिक दोनों मोर्चों पर भारत को सशक्त किया।

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की शुरुआत की गई, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देकर गरीबी उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया। इसके साथ ही, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसी योजनाओं ने समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास किया। इन योजनाओं ने न केवल गरीबी घटाने में मदद की, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी सुधार लाया।

उनके नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति को मजबूत किया। अमेरिका के साथ परमाणु समझौता उनके कार्यकाल की एक बड़ी उपलब्धि थी, जिसने भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। यह समझौता उस समय काफी विवादास्पद था, लेकिन इसके दूरगामी लाभ भारत के ऊर्जा क्षेत्र में दिखाई दिए।

हालांकि, उनके दूसरे कार्यकाल में उनके नेतृत्व पर कई सवाल उठे। कोयला घोटाला और 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला जैसे मुद्दों ने उनकी सरकार की छवि को धूमिल किया। मनमोहन सिंह की सादगी और ईमानदारी पर किसी को संदेह नहीं था, लेकिन उनकी चुप्पी और इन घोटालों पर कार्रवाई की कमी को लेकर उनकी आलोचना हुई। इससे उनकी सरकार की साख पर गहरा असर पड़ा और 2014 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा।

मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल को मूल्यांकन करते समय यह समझना जरूरी है कि उनका दृष्टिकोण दीर्घकालिक और संरचनात्मक सुधारों पर आधारित था। उन्होंने कभी भी तात्कालिक लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, बल्कि नीतिगत स्थिरता और संस्थागत मजबूती को प्राथमिकता दी। उनकी विनम्रता और निस्वार्थ भाव से किए गए कार्य उन्हें अन्य राजनेताओं से अलग खड़ा करते हैं।

उनकी आलोचना यह भी होती है कि उन्होंने कभी राजनीति की उस भाषा को नहीं अपनाया, जो बड़े पैमाने पर जनता को प्रभावित करती है। उनका व्यक्तित्व विद्वतापूर्ण था, लेकिन कई बार यह जनता के साथ जुड़ने में बाधक बन गया। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि उन्होंने भारतीय राजनीति में ईमानदारी और ज्ञान की जो मिसाल पेश की, वह दुर्लभ है।

आज जब हम भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हैं, तो यह समझ में आता है कि मनमोहन सिंह ने जो नींव रखी थी, वही भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी बना रही है। उनके सुधारों के कारण भारत आज स्टार्टअप्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार का केंद्र बना है। उनकी विरासत भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में सदैव प्रासंगिक रहेगी।

अंततः, मनमोहन सिंह केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे भारतीय राजनीति में एक आदर्श और प्रेरणा के रूप में देखे जाते हैं। उनकी नीतियों, कार्यशैली और विचारधारा ने भारत को एक स्थिर और प्रगतिशील रास्ता दिखाया। उनके योगदान को न केवल अर्थशास्त्री के रूप में, बल्कि प्रधानमंत्री के रूप में भी इतिहास में याद किया जाएगा।

बादल छाने से बढ़ा तापमान, ठंड का असर हुआ गायब गेहूं-चना फसल को नुकसान की आशंका

बैतूल। शहर सहित जिले के मौसम में बदलाव शुरू हो गया है। शुक्रवार को शहर में दिनभर बादल छाए रहे। इस कारण तापमान बढ़ा, लेकिन हवा में हल्की ठंडक रही। तापमान बढ़ने से ठंड का असर लगभग गायब सा हो गया है। वैसे मौसम विभाग ने 28 दिसंबर से बदलने के संकेत दिए हैं। बूंदाबांदी और बारिश की संभावना जताई है। बारिश के बाद माह के अंत तक ठंड का प्रभाव तेज हो सकता है। इधर कृषि विभाग के अनुसार गेहूं और चने की फसल को अभी कोई नुकसान नहीं है। वहीं, बारिश भी फसलों के लिए लाभकारी होगी, लेकिन इसी तरह आसमान में बादल छाये रहे तो चने पर इल्लियों का प्रकोप बढ़ जायेगा। तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल की ग्रोथ पर असर पड़ेगा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार रबी सीजन की फसलों के लिए तापमान 15 डिग्री के नीचे रहना चाहिए। जितनी ठंड पड़ती है, फसलों के लिए उतनी ही फायदेमंद है, लेकिन अभी 16.7 डिग्री के आसपास रात का न्यूनतम तापमान पहुंच गया है। तापमान में बढ़ोतरी के कारण ठंड का असर भी कम हो गया है।

गेहूं और चने की फसल को नुकसान नहीं- पिछले तीन-चार दिनों से लगातार मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। बादलों के साथ खेतों में कोहरे की धुंध भी नजर आई है। बादल छाने से चना फसल में इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है। वहीं तापमान अधिक होने से गेहूं की फसल की ग्रोथ रुक गई है। कृषि वैज्ञानिक श्री वर्मा ने बताया ठंड के समय तापमान बढ़ने से गेहूं और चना की फसलों पर प्रभाव पड़ रहा है। बादल छाने से चने में इल्ली का प्रकोप बढ़ा है। वहीं गेहूं की फसल की ग्रोथ भी रुक गई है। उन्होंने बताया फसलों को बचाने के लिए सिंचाई करना जरूरी है। सिंचाई करने से गेहूं की फसल की ग्रोथ बढ़ेगी। अगर बारिश होती है तो फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

एक सप्ताह से 10 से ऊपर रात का तापमान- जिले

में पिछले एक सप्ताह से रात का तापमान 10 डिग्री से ऊपर चल रहा है। जबकि 18 दिसंबर को रात का तापमान 8 डिग्री था। इसके बाद 20 दिसंबर से तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी देखी गई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 20 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 10.8 था, इसके बाद 21 दिसंबर को 11.0 दर्ज किया गया। वहीं 22 दिसंबर को 10.0 डिग्री, 23 दिसंबर को 11.0 डिग्री, 24 दिसंबर को 12.8 डिग्री, 25 दिसंबर को 14.7 डिग्री और 26 दिसंबर को 16.8 डिग्री पर तापमान पहुंच गया। पिछले चार दिनों से आसमान में बादल छाने से तापमान बढ़ा है। एक सप्ताह में रात का तापमान दोगुना हो गया। गुरुवार को दिन का तापमान 28 डिग्री और रात का 16.8 डिग्री रहा।

शुक्रवार दोपहर में बूंदाबांदी, 24 घंटे के अंदर भारी बारिश की संभावना

शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाये रहे। दोपहर में बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान बैतूल जिले में बारिश की संभावना है। बैतूल जिले के लिए मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट भी जारी किया है। इस दौरान वज्रपात एवं 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोकेदार हवाएं भी चल सकती है और तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। यदि बारिश होती है तो गेहूं फसल के लिए यह अमृत समान होगी, वहीं जानकार बताते है कि बारिश और बादल छाने से दलहनी फसल पर इल्लियों का प्रकोप बढ़ जायेगा और दलहनी फसलों का उत्पादन प्रभावित होगा, और किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

इनका कहना

आसमान में बादल छाने से चने सहित दलहनी फसलों पर इल्लियां लगने का खतरा रहता है। वैसे अगर बारिश होती है तो गेहूं के साथ-साथ अन्य फसलों को भी फायदा मिलेगा।

- विजय वर्मा,
कृषि वैज्ञानिक, बैतूल

37वीं बार रक्तदान कर बचाई मासूम की जान

बैतूल। वीर बाल दिवस पर वीरता भरा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य करते हुए संदीप सोलंकी ने एक मासूम बालक की जान बचाई। उन्होंने अति आवश्यकता होने पर वीर बाल दिवस पर रक्तदान किया। उनके रक्तदान से तीन जिंदगियां बचेगी विदित है कि संदीप सोलंकी 37 बार रक्तदान कर चुके है वे दुर्घटना ग्रसित, प्रसव और थैलेसिमिया, सिकलसेल में जरूरत पड़ने पर रक्तदान करते है। वे पहले ऐसे रक्तदाता है जो रक्तदान के 3 माह होते ही रक्तदान करने हेतु फोन करते है और जरूरत पड़ने पर एक संदेश पर रक्तदान के लिए दौड़े चले आते है, पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े युवा पत्रकार सोलंकी एक बिरले आदर्श रक्तदाता भी है।

इस अवसर पर मां शारदा सहायता समिति के शैलेंद्र बिहारिया ने कहा की संदीप जैसे रक्तदाता बिरले होते है जो दूसरे के दुःख दर्द को अपना समझते है और रक्तदान करते है। उन्होंने रक्तक्रांति के अग्रदूत संदीप सोलंकी को वीर बाल दिवस पर वीरता पूर्ण कार्य हेतु बधाई दी। उनके रक्तदान करने पर संजय शुक्ला, पिंकी भाटिया, हिमांशु सोनी, संजय द्विवेदी, दीप मालवीय, निमिष मालवी, मनोज तिवारी ने हार्दिक बधाई दी है।

विधायक ने घायलों को अपने वाहन से पहुंचाया अस्पताल

बैतूल। घोड़ाडोंगरी तहसील के बांसपुर गांव में गुरुवार शाम करीब

7 बजे बाइक और स्कूटी की भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार स्वास्थ्य विभाग में एएनएम घायल हो गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके ने घटनास्थल पर रुकी और घायल एएनएम को अपने वाहन बैठकर घोडाडोंगरी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉ. अभिनव शुक्ला द्वारा घायल का उपचार किया गया। विधायक श्रीमती गंगा बाई सज्जन सिंह उइके ने डॉ. अभिनव शुक्ला से घायल एएनएम के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। घोडाडोंगरी विधायक गंगा उइके ने बताया कि वे चोपना से घोड़ाडोंगरी आ रही थी। रास्ते में बांसपुर के पास कुछ गाडियां खड़ी देखी। गाड़ी से उतरकर उपस्थित लोगों से जानकारी ली तो बताया लोगों ने बताया कि बाइक और स्कूटी की भिड़ंत हो गई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एएनएम घायल हो गई है। घटनास्थल पर एएनएम को घायल पड़ा देख अपने वाहन में बैठाया और तत्काल ही घोड़ाडोंगरी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां घायल का उपचार चल रहा है। डॉ. अभिनव शुक्ला ने बताया कि घायल एएनएम का उपचार किया गया है। फिलहाल एएनएम की हालत ठीक है।

अभा कार्यकारिणी में निर्वाचित हुए मयंक

बैतूल। विगत दिनों लखनऊ में संपन्न अखिल भारतीय भार्गव सभा के 133 वें वार्षिक अधिवेशन में हुए द्विवार्षिक चुनाव में बैतूल से भार्गव समाज के सदस्य मयंक भार्गव अखिल भारतीय कार्यकारिणी

के लिए निर्वाचित हुए। भार्गव सभा बैतूल के अध्यक्ष दीपक भार्गव ने बताया कि लखनऊ के प्रसिद्ध इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय अधिवेशन में दूसरे दिन राष्ट्रीय संगठन के चुनाव संपन्न हुए जिसमें देश-विदेश से आए 4 हजार से अधिक समाज के सदस्यों ने मतदान किया। इस चुनाव में बैतूल से मयंक भार्गव ने अनिल, संजय, विजय पैनल से चुनाव लड़ा था। चुनाव में पूरी पैनल विजयी रही। भार्गव समाज के चुनाव में बैतूल जिले से लगभग एक सैकड़ा से अधिक सदस्यों ने लखनऊ पहुंचकर मतदान में भाग लिया। मयंक इससे पूर्व भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए चुनाव जीत चुके हैं। मयंक भार्गव के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बतौर सदस्य बनने पर उन्हें भार्गव सभा बैतूल, भार्गव सभा मुलताई, जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, राजनेताओं, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, चिकित्सकों, सामाजिक बंधुओं, इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी है।

दीपक बने सदर माचना मोक्ष धाम के अध्यक्ष

मोक्ष धाम का पुनर्निर्माण

बैतूल। सदर माचना नदी के किनारे स्थित मोक्ष धाम के जीर्णोद्धार की तैयारी शुरू हो गई है। समाजसेवा और हिंदू संगठनों से जुड़े दीपक मालवीय को मोक्ष धाम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। घाट की दयनीय स्थिति को देखते हुए इस समिति का गठन किया गया है। जल्द ही जीर्णोद्धार कार्य शुरू होगा और इसे एक व्यवस्थित और आधुनिक स्थल में तब्दील किया जाएगा। समिति के सदस्य शनि साहू ने बताया कि विधायक हेमंत खंडेलवाल ने इस कार्य में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि मोक्ष धाम के निर्माण और पुनर्निर्माण कार्य के लिए हर संभव संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। विधायक ने समिति के सदस्यों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल समाज के लिए एक मिसाल बनेगी। समिति में संरक्षक के रूप में भाजपा नेता विकास मिश्रा, संजू सोलंकी, मुन्ना मानकर को शामिल किया गया है। अन्य प्रमुख सदस्यों में समाजसेवी गोलू उघड़े, अनुज राठोर, विक्रांत कनाठे, मनीष मालवीय, पवन मालवीय, शनि साहू और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। दीपक मालवीय ने कहा कि सदर माचना नदी के पास स्थित यह मोक्ष धाम बहुत पुराना है और आज जर्जर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि घाट की देखरेख और पुनर्निर्माण बहुत जरूरी हो गया है। समिति के सदस्य जल्द ही एक व्यापक योजना बनाकर कार्य शुरू करेंगे।मोक्ष धाम समिति में बैतूल के कई प्रमुख बुद्धिजीवी और समाजसेवी जुड़े हैं। इनमें प्रवीण साहू, लोकेश रावत, भवानी सरले, पिंटू ढोमने और दीपक कोसे जैसे नाम शामिल हैं। ये सभी मिलकर इस कार्य को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम

महिलाओं ने बाल विवाह रोकने ली शपथ, बालिकाओं को गुड टच, बेड टच की दी जानकारी

बैतूल। हम होगे कामयाब जेन्डर आधारित हिंसा उन्मूलन जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रदीपन संस्था बैतूल द्वारा भीमपुर ब्लॉक के ग्राम गधाखार, पाट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रदीपन संस्था द्वारा महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण, कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न प्रतिषेध अधिनियम, सुरक्षित पलायन, समान मजदूरी समान वेतन प्राप्त के हक तथा मानव तस्करी से बचाव विषय पर ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने बाल विवाह को रोकने और किसी भी तरह की हिंसा न सहने की शपथ भी ली। संस्था की चारुलता वर्मा ने कहा कि बाल विवाह और पॉक्सो की घटनाओं से बालिकाओं बचाने के लिए माता-पिता को सचेत होना होगा। इस दौरान बालिकाओं को गुड और बेड टच सुरक्षित स्पर्श और असुरक्षित स्पर्श की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि महिला और लड़कियां किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप आदि पर दोस्ती न करें और उनके बहकावे में नहीं आए। स्थानीय एजेंट लड़कियों और युवाओं को अधिक मजदूरी व सुविधाओं के लालच देकर बाहर भेजते है, उनके बुरे इरादे को पहचाने और ऐसे एजेंट की सूचना पुलिस को दे।

महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी- कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा के मदद के लिये संचालित हेल्प लाईन नम्बर 1090, 1098, डायल-100 की जानकारी महिलाओं को दी गई। उन्होंने कहा कि यदि महिला या बालिकाएं कही गई है और आने-जाने के लिए सुरक्षित साधन नहीं है, तो ऐसी स्थिति में पुलिस को सूचित करें, पुलिस विभाग ऐसी महिलाओं को घर तक सुरक्षित पहुंचाने में मदद करेगी। महिलाएं किसी भी तरह की हिंसा का पुरजोर विरोध करें। किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिला और बालिकाओं को कानूनी सहयोग और सुरक्षित आश्रय के लिए वन स्टाप सखी सेंटर बैतूल की भी जानकारी दी गई।

पत्रकार नाइक के हत्यारों को जल्द पकड़ने की मांग

जिला ब्राह्मण समाज ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। जिला ब्राम्हण समाज द्वारा एसपी निश्चल इन झारिया के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि 20 दिसम्बर को चिचोली गोधना मार्ग पर सतीश नाईक की हत्या सिर कुचलकर की गई थी। जांच के दौरान उनकी बाइक और मोबाईल भी शव के पास नही मिला था। परिचय पत्र से उनकी पहचान की गई थी।

सतीश नाईक आमला के स्थाई निवासी थे, वे पत्रकारिता और ऑनलाईन कम्प्यूटर जॉबवर्क का काम भी किया करते थे। पिछले तीन माह तक पीथमपुर में किसी प्रायवेट कम्पनी में पदस्थ भी रहे। काम छूटने के बाद वह अपना वाहन लेकर आमला वापस आ रहे थे कि रास्ते मे अज्ञात लोगों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई, जबकि सतीश की किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी भी नहीं थी। सतीश की हत्या होने से ब्राम्हण समाज बेहद आहत है, क्योंकि उनके घर में बेवा मां के अलावा दो भाई हैं। उनकी हत्या के बाद से पूरा परिवार सदमे में हैं। ब्राम्हण समाज ने मांग है कि मोबाईल कॉल डिटेल एवं एफएसएल टीम के संयुक्त प्रयास से जल्द से जल्द हत्यारों को खोज कर उनके विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए।

रेलवे कोर्ट में 235 लोगों ने पौने दो लाख रुपए का जुर्माना भरा

बैतूल। रेलवे मजिस्ट्रेट अनुराग खरे ने रेलवे स्टेशन बैतूल में शिविर लगाकर आरपीएफ नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 235 लोगों से एक लाख 75 हजार रुपए से अधिक राशि का जुर्माना जमा कराया। आरपीएफ थाना बैतूल के निरीक्षक राजेश बनकर ने आज जानकारी देते हुए बताया कि उप निरीक्षक विद्याधर यादव,सहायक उप निरीक्षक डी के देशमुख, प्रधान आरक्षक संतोष पटेल, फरहा खान, आरक्षक मंजीत कुमार तथा अन्य स्टाप ने आरपीएफ के क्षेत्राधिकार में आने वाले इटारसी, भोपाल,बैतूल,आमला में अभियान चलाकर पटरी पार करने वाले, अवैध रूप से खाद्य सामग्री बेचने,चैन पुलिंग,महिला कोच में यात्रा करने, पाएदान पर यात्रा करने वालो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आरपीएफ नियमों के तहत मामला दर्ज किया था। रेलवे स्टेशन बैतूल में रेलवे मजिस्ट्रेट अनुराग खरे की विशेष मौजूदगी में कोर्ट कैंप का आयोजन कर 235 व्यक्तियों से एक लाख 75 हजार 350 रुपए का जुर्माना जमा कराया। आरपीएफ निरीक्षक राजेश बनकर ने यात्रियों से आरपीएफ नियमों का पालन कर जुर्माने की होने वाली कार्यवाही से बचने का अनुरोध किया है।

देवाधिदेव महादेव के विवाह उत्सव की तैयारियां शुरू

26 फरवरी को निकलेगी भव्य शिव बारात

बैतूल। थाना महाकाल चौक, कोठी बाजार स्थित शिवालय में शुक्रवार को शिव बारात की दूसरी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 26 फरवरी 2025 बुधवार को होने वाले भव्य शिव बारात महोत्सव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जानकारी दी गई कि देवाधिदेव महादेव के विवाह के उपलक्ष्य में 8 दिवसीय मांगलिक रस्म उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। भव्य शिव बारात 26 फरवरी 2025, बुधवार, दोपहर 3 बजे महाकाल मंदिर से प्रारंभ होगी। यह बारात चंडी दरबार, भगत चौक, मेघनाद चौक, अखाड़ा चौक, लल्ली चौक, मरही माता मंदिर से होते हुए महाकाल मंदिर पर समाप्त होगी। इस आयोजन की रूपरेखा शंभू भोले सेवा उत्सव समिति द्वारा तैयार की गई है। बैठक में समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में गौरी

बालापुरे, ममता भट्ट, सुशीला तिवारी, आरती शुक्ला, रीता दत्त, साक्षी शर्मा, माधुरी नामदेव, वर्षा मंडल, नीता कवड़े, मिनाक्षी यादव, प्रीति पाल, नीता वराठे, कविता मालवी, सरिता पवार, विद्यावती यादव, संदीप कौशिक, बबलू पाल, हितेश पवार, गज्जू दत्त, निक्की राजपूत, प्रदीप तिलनते, बिट्टू ठाकुर, सागर करकरे, संकेत राजपूत, सुनील प्रजापति, शनि राजपूत, भावेश चंडोकार, बंटी आरसे और आयुष झा उपस्थित थे। 8 दिवसीय मांगलिक रस्म उत्सव के अंतर्गत 19 फरवरी 2025, बुधवार को सोमनाथ की सगाई सायं 4 बजे, ओंकारेश्वर का टीका 20 फरवरी गुरुवार, सायं 7 बजे, केदारनाथ की खन मिट्टी 21 फरवरी शुक्रवार सायं 4 बजे, भीमाशंकर का मंडप 22 फरवरी 2025 शनिवार प्रातः 11 बजे, काशी विश्वनाथ की हल्दी 23 फरवरी रविवार दोपहर 1 बजे, त्र्यंबकेश्वर की मेहंदी 24 फरवरी सोमवार रात्रि 8 बजे, रामेश्वरम का संगीत का आयोजन 25 फरवरी मंगलवार रात्रि 8 बजे से होगा।

युवक पर पेट्रोल डालकर जलाने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बैतूल। युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों ही आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। पीआरओ, पुलिस अधीक्षक कार्यालय बैतूल से मिली जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे फरियादी दीपक पिता परसराम यादव (24) निवासी कोराबन थाना कोतवाली, सतीश यादव की दुकान पर गए। सतीश यादव ने फरियादी को कहा कि वह उसके भाई शिवम यादव को अपने पास लेकर आए और उसकी मोटरसाइकिल छुड़वाए। इसके बाद सतीश यादव ने अपनी मोटरसाइकिल अपने घर पर खड़ी कर ली। अगले दिन 26 दिसंबर की सुबह करीब 9.30 बजे सतीश यादव फरियादी के घर आया और उसे अपने घर आने को कहा। साथ ही, सतीश के पिता नंदू यादव ने फोन पर कहा कि वे पूरे परिवार सहित शिवम यादव को लेकर उनके घर आएं। फरियादी दीपक यादव, उनका छोटा भाई शिवम यादव, उनके पिता परसराम यादव, और परिवार के अन्य सदस्य सुनील यादव व शैलेश यादव सतीश के घर मोटरसाइकिल लेने गए। सतीश और उसके

पिता नंदू यादव घर पर मौजूद थे। इस दौरान, सतीश ने अपने घर के अंदर से एक प्लास्टिक की बाल्टी में पेट्रोल भरकर लाया और शिवम यादव पर डाल दिया। फिर सतीश ने माचिस से आग लगा दी, जिससे शिवम गंभीर रूप से झुलस गया। शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में धारा 296, 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया और विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित शिवम यादव को तुरंत पाढर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल घटना स्थल को सुरक्षित करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई शुरू की। कोतवाली पुलिस ने आरोपी सतीश पिता नंदू यादव (25 वर्ष) और नंदू पिता अमरलाल यादव (50 वर्ष), दोनों निवासी कोराबन, को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध करना स्वीकार किया। आरोपियों से प्लास्टिक की पेट्रोल की बाल्टी और माचिस जब्त कर ली गई। उन्हें विधिवत न्यायालय में पेश किया गया। इस मामले की जांच और कार्रवाई में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उप निरीक्षक दिनेश कुमरे, सहायक उप निरीक्षक जगदीश रैकवार, दिलदार सिंह, प्रधान आरक्षक कामता प्रसाद, आरक्षक दिनेश धुर्वे और आरक्षक विष्णु चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

तबला दिवस के उपलक्ष्य में ताल और वायलिन का संगम

धार। संस्कृति संचालनालय भोपाल के सहयोग से शासकीय संगीत महाविद्यालय धार द्वारा तबला दिवस के उपलक्ष में 23 से 25 दिसंबर तक तीन दिवसीय तबला कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें इंदौर से विषय विशेषज्ञ के रूप में सुमित मालवीय द्वारा प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षक द्वारा समस्त विद्यार्थियों को तीन दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत तबले की प्रारंभिक बारीकियां एवं कई तालों के बारे में विस्तार से वर्णन किया एवं तबला पर प्रयोग कर विद्यार्थियों को कायदे, पलटे,पेशकार ,लग्गी आदि तीन ताल में छात्र - छात्राओं को बारीकी से समझाया ।तबला कार्यशाला में 5 वर्ष से लेकर के 75 वर्ष तक के कुल 70 विद्यार्थियों ने बहुत रुचि से तबले की बारीकियां सीखी। तबला कार्यशाला के अंतिम दिन समापन अवसर पर प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दीपक खलतकर उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण , द्वीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि, आमंत्रित कलाकार एवं महाविद्यालय शिक्षकों द्वारा किया गया।

प्रथम प्रस्तुति में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का गायन किया गया। उसके उपरांत तबला कार्यशाला में प्रशिक्षित विद्यार्थियों की प्रस्तुति हुई। तत्पश्चात् विषय विशेषज्ञ सुमित मालवीय द्वारा तबला एकल वादन, तीन ताल में पेशकार से शुरुआत की, जिसमें विभिन्न लकारियां शामिल थी जिसे सुनकर समस्त श्रोतागण मंत्र मुग्ध हो गए ।

तबले पर कायदा, रेला, गत, पढ़त, लगियां आदि का प्रशिक्षण बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया । साथ में संगत वायलिन पर डॉ देशराज वशिष्ठ द्वारा की गई जो बहुत ही अद्भुत रहा तथा तबला और वायलिन की प्रस्तुति से सभागार का माहौल जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय समारोह जैसी अनुभूति होने लगी। कार्यक्रम का समापन महाविद्यालय के डॉ देशराज वशिष्ठ द्वारा वायलिन वादन की अविस्मरणीय प्रस्तुति दी गई, जिसमें उन्होंने राग किरवानी में एक ताल में विलंबित रचना एवं तीन ताल मध्य लय में रचना प्रस्तुत की। अंत में राग भैरवी मे बंदिश 'बाबुल मोरा नैहर छूटो ही जाए' से कार्यक्रम को विराम दिया। वायलिन के तारों से सभागृह गुंजायमान हो गया। उनके साथ तबला संगत सुमित मालवीय ने बहुत ही सुन्दर ढंग से की।

कार्यक्रम संयोजक रविंद्र डोडवे, शशि चौधरी, सोमतसिंह चिढार, प्रिया शर्मा ,पंकज राठौर, भूपेंद्र चौहान, मनीष खसरावल समस्त स्टाफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन एवं संचालन प्रिया शर्मा ने किया।

अपराधों पर नकेल के बाद अब यातायात सुधारेंगे एसपी

देवास/मोहन वर्मा। किसी भी बात के लिए या सुधार के लिए यदि शिद्दत से प्रयास किए जाये तो हर चीज सम्भव है। देवास में बीते दो माह पूर्व पदस्थ हुए देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा अपनी कार्यशैली से न केवल अपराधों और अपराधियों पर नकेल कसी है बल्कि शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने की कवायद शुरू की है जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे है।

पुलिस कप्तान गेहलोद द्वारा बीते दिनों शुरू किए गए ऑपरेशन प्रहार, ऑपरेशन मुस्कान,ऑपरेशन बेल टू जेल,ऑपरेशन साइबर, ऑपरेशन फ्रॉड,ऑपरेशन सबक,त्रिनैत्रम जैसे अनेक नवाचार शुरू किए गए जिससे न केवल अपराधों में कमी आई है बल्कि पुलिस के त्वरित एक्शन से अपराधियों में भी भय साफ़ साफ़ नजर आने लगा है और पीड़ित को भी समय पर न्याय मिल रहा है। इसी तरह शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधारने के संकल्प के साथ मैदान में उतरी पुलिस कप्तान की टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरनारायण बाथम तथा यातायात थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में ट्रैफ़िक सिग्नल पर भागने वालों, उल्टी दिशा से आने वालों पर गहरी नजर बनाये रखते हुए समझाइश के साथ साथ चालानी कार्यवाही और अर्थदण्ड भी लगाया जा रहा है। शहर हित में देवास पुलिस कप्तान गेहलोद द्वारा की जा रही कार्यवाही को जन सहयोग तो मिल ही रहा है,आम जनता खुश भी नजर आने लगी है।

राष्ट्रीय सब जूनियर बास्केटबॉल स्पर्धा में शरद को कांस्य पदक

देवास। जिला बास्केटबॉल संघ सचिव संजय पाटिल ने बताया कि दिनांक 16 से 22 दिसम्बर 2024 तक हैदराबाद में राष्ट्रीय सब जूनियर बास्केटबॉल बालक/बालिका चैंपियनशिप में देवास के शरद लकवाल ने प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने प्रारंभिक मुकाबले में मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र, तमिलनाडु, एवं ओड़िसा को पराजित किया एवं सेमीफाइनल मैच में दिल्ली से 62-56 स्कोर के संघर्षपूर्ण भरे कश्मकश मैच में 06 अंकों से पराजित होकर स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। शरद के कोच धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर है। मध्यप्रदेश बास्केटबॉल टीम के कोच कुलदीपसिंह बरार थे। मध्यप्रदेश टीम एवं देवास के खिलाड़ी को कांस्य पदक जीतने पर संघ के अध्यक्ष मनीष पनवार, रईस खान, हेमेन्द्र निगम काकू, संतोषसिंह गौड़, भारतसिंह राजपूत, राकेश लश्करी, हेमंत जोशी बॉम्बे हॉस्पिटल, शक्तिसिंह गौड़,वीरेन्द्र सिंह ठाकुर गोलु, निसार खान, आकाश अवस्थी, जावेद पठान आदि ने बधाई दी।

राघव राष्ट्रीय स्केटिंग रोलबॉल स्पर्धा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे

देवास। सेन थॉम एकेडमी, भोपाल रोड, देवास के छात्र राघव काले ने अंडर-14 एम.पी. स्केटिंग रोलबॉल राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयनित होकर स्कूल और शहर का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 27 से 29 दिसंबर, 2024 तक महाराष्ट्र के सतारा जिले में आयोजित की जा रही है। राघव की उत्कृष्ट प्रतिभा और समर्पण ने उन्हें यह सम्मानजनक अवसर दिलाया है। उनका चयन उनके कठिन परिश्रम और सेन थॉम एकेडमी के कोच के मार्गदर्शन का परिणाम है। स्कूल प्रबंधन, प्राचार्य और स्टाफ ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

साध्वी ऋतुम्भरा जी दीदी मां 29 को कैलादेवी मंदिर पर आएंगी

देवास। परम पूज्य साध्वी ऋतुम्भरा जी दीदी मां 29 दिसम्बर को देवास में स्थित मॉ कैलादेवी मंदिर पर दोपहर 3 बजे पधारेंगी। आप उज्जैन से देवास होते हुए रात्रि को औंकारेश्वर के लिए रवाना होंगी। कैलादेवी मंदिर संस्थापक मन्नुलाल गर्ग, अनामिका दीपक गर्ग ने दीदी मां के शिष्यों एवं धर्मप्रेमी जनता से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर दीदी मां के दर्शन और आशीर्वाद का लाभ लें। उक्त जानकारी मोहन श्रीवास्तव ने दी।

आहू पार्श्वनाथ तीर्थ क्षेत्र में पारसनाथ भगवान का जन्मोत्सव मनाया

जैन शब्द जाति सूचक नहीं जैन आचरण का प्रतीक है : सावला

धार। दिगंबर जैन तीर्थ आहू पारस नाथ में 26 दिसंबर को भगवान पारसनाथ जन्मोत्सव मनाया गया। जन्मोत्सव के दौरान भगवान के अभिषेक, मंडल विधान पूजन, श्रीजी की शोभायात्रा, धर्म सभा आचार्य विपणत सागर जी महाराज व चंद्रमती माताजी के सानिध्य में आयोजित किए गए। धर्म सभा में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम चंद सावला ने कहा कि जैन धर्म जाति सूचक नहीं बल्कि जैन आचरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म आदिकाल से चला आ रहा है। जैन धर्म का सिद्धांतों का जो आचरण करता है वह जैन है। उन्होंने इतिहास के कई उदाहरण देते हुए बताया कि कई सेनाओं के सेनापति जैन थे और वह जैन सिद्धांतों का पालन करते थे। यहां तक की रात्रि भोजन भी त्याग था। आपने रात्रि भोजन को हानिकारक बताते हुए जैन धर्म के मुख्य सिद्धांत अहिंसा पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र का उत्थान अहिंसा से ही संभव है।

तीर्थ क्षेत्र विकास के लिए दी भूमि- आचार्य श्री ने पारसनाथ भगवान को कविता के माध्यम से उनके जीवन चरित्र को दर्शाया। चंद्रमति माताजी ने अपने आशीर्वचन में इस तीर्थ क्षेत्र का भरपूर विकास करने की बात कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिन्नी रुप इंदौर के गजेंद्र जैन ने तीर्थ क्षेत्र के विकास में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए भूमि भी प्रदत्त की। मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया कि सभा में चांदी की पांडू शीला व चांदी की पालकी के लिए दानदाताओं ने राशि भी प्रदान की। प्रारंभ में मंगलाचरण महिला मंडल अध्यक्ष नेहा छाबड़ा ने प्रस्तुत किया। सभा को दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल व आहू में तीर्थ क्षेत्र प्रबंधन समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने भी संबोधित कर अतिथियों का स्वागत वंदन किया। भगवान के अभिषेक करने का लाभ पंकज प्रकाश पापलिया ने लिया। आचार्य श्री को जिनवाणी भेंट करने का लाभ सविता जैन इंदौर एवं चंद्रमति माता जी को जिनवाणी भेंट करने का लाभ पवन अग्रवाल ने लिया। ध्वजारोहण राजेंद्र जैन ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय छाबड़ा व आभार समिति के कार्य अध्यक्ष नवीन गोधा ने माना।

भागवत कथा का दूसरा दिन

प्रभु से बढ़कर कोई और सुख और सम्पदा नहीं, भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव होता है कल्याण

बैरसिया। भोपाल के कलारा गांव में समस्त ग्राम वासियों की ओर से चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण द्वितीय दिवस शुक्रवार को कथा में सुखदेव जी के जन्मक वृतांत का विस्तार से वर्णन किया एवं एवं महाभारत प्रसंग सुनाया गया कथावाचक हरि ओम जी शास्त्री ने कथा की शुरुआत करते हुए कहां की बिना गुरु के रास्ता नहीं मिलता है आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है जिसकी वजह से आप आज कथा का आनंद ले रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कर पा रहे हैं। क्योंकि जिन्हें गोविंद प्रदान करते हैं जितना प्रदान करते हैं उसे उतना ही मिलता है। कथा में यह भी बताया की अगर आप भागवत कथा सनकर कुछ करना चाहते हैं कुछ सीखना चाहते है कथा में प्यासे बनकर आए, कुछ सीखने के उद्देश्य से कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो यह भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं बल्कि बहुत कुछ देगी

मनुष्य का जीवन सांसारिक भोग में नहीं कृष्णभक्ति में बिताएं -मनुष्य जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को विषय वस्तु को भोगनेमे लगा हुआ है उसका सारा ध्यान सांसारिक विषयों को घूमने में ही लगा हुआ है मानव जीवन का उद्देश्य कृष्णा प्रताप शाश्वत है उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का उद्देश्य कृष्ण को पकर ही जीवन छोड़ना है और अगर हम ये दृढ़ निश्चय कर लेंगे कि हमें जीवन में कृष्ण को पाना ही है तो हमारे लिए इससे प्रभु से बढ़कर कोई और सुख संपत्ति या संपदा नहीं है। भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण करती है ।

विज्ञान मेले के पहले दिन विज्ञान एवं नवाचार पर जोर

भोपाल। विज्ञान और समाज के बीच सेतु निर्माण आवश्यक है और विज्ञान को व्यवहारिक जीवन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैसे आगे बढ़ सकते हैं, इस बात को सभी वैज्ञानिक एवं अकादमिक संस्थानों को समझना चाहिए। यह वक्तव्य है विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव प्रवीण रामदास का 7 वह 11 वें भोपाल विज्ञान मेले के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होने विज्ञान और समाज के समन्वय पर जोर दिया । इस अवसर पर महानिदेशक, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, डॉ. अनिल कोठारी ने 'विज्ञान की बात जन-जन के साथ' की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि विज्ञान को मातृभाषा में समझाना आवश्यक है।

डॉ. अमोघ गुप्ता, अध्यक्ष, विज्ञान भारती मध्यभारत ने 'स्वदेशी विज्ञान आंदोलन' पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. सुधीर भदौरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विज्ञान भारती ने विज्ञान मेले को 'एक उत्सव' की संज्ञा दी।

प्रथम दिवस की उपलब्धियाँ

विज्ञान मेले का प्रथम दिवस नवाचार और स्वदेशी विज्ञान के संगम पर आधारित रहा। विद्यालयीन और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक प्रदर्शों का प्रस्तुतीकरण किया । मेले में 150 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। इस दिन विज्ञान प्रतिभा पुरस्कार से सम्बंधित सत्र आयोजित किया गया जो कि विद्यालयीन छात्र छात्राओं के लिए था । इसमें एम्प्री के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एन सतीश ने छात्रों के रोचक प्रश्नों के उत्तर दिए 7 तीसरे सत्र में 'मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना' पर भी व्याख्यान हुआ । प्रथम दिवस के समापन सत्र में डॉ. धीरेंद्र कुमार स्वामी, सह सचिव, विज्ञान भारती, मध्य भारत प्रांत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विदित है कि विज्ञान भारती द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) के साथ संयुक्त रूप से भोपाल में 2012 से प्रतिवर्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित भोपाल विज्ञान मेला का आयोजन किया जाता है। बीवीएम-2024 का केंद्रीय विषय 'विकसित भारत 2047, का आधारः विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार' है। उल्लेखनीय है कि11वां भोपाल विज्ञान मेला 2024 इस वर्ष 27 से 30 दिसंबर 2024 तक जंबूरी मैदान में आयोजित किया जा रहा है ।

06216 मैसूर-लखनऊ कुम्भ मेला एक तरफा विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के तलवडिया, छनेरा ,खिरकिया, हरदा, बनापुरा, इटारसी, भोपाल एवं बीना स्टेशनों से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुम्भ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 06216 मैसूर - लखनऊ कुम्भ मेला विशेष ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के तलवडिया, छनेरा,खिरकिया, हरदा, बनापुरा, इटारसी, भोपाल एवं बीना स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 06216 मैसूर-लखनऊ कुम्भ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 29 दिसंबर 2024 को मैसूर स्टेशन से रात्रि 00.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09.35 बजे तलवडिया, 10.35 बजे छनेरा ,11.20 बजे खिरकिया, 11.58 बजे हरदा, 12.30 बजे बनापुरा, 13.10 बजे इटारसी, 15.35 बजे भोपाल, 18.00 बजे बीना एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए दुसरे दिन प्रातः 04.00 बजे लखनऊ स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी मैसूरु जंक्शन, मल्लेश्वरम, केएसआर बेंगलुरु सिटी जंक्शन, यशवंतपुर जंक्शन, तुमकुर, अरसीकेरे जंक्शन, कदुरू, चिक्जाजुर, दावणगेरे, हावेरी, हुबली जंक्शन, धारवाड़, बेलगावी, घटप्रभा, मिरज जंक्शन, सांगली, कराड, पुणे जंक्शन, अहमदनगर, मनमाड जंक्शन, भुसावल जंक्शन, खंडवा जंक्शन, तलवडिया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बनापुरा, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में कुल 20 डिब्बे होंगे, जिनमें 07 स्लीपर डिब्बे, 11 सामान्य श्रेणी के डिब्बे एवं 02 एसएलआरडी डिब्बे शामिल हैं।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

07730/07731 हैदराबाद-अजमेर-हैदराबाद उर्स स्पेशल ट्रेन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा 'अजमेर उर्स' के दौरान अतिरिक्त यातायत क्लियर करने एवं श्रद्धालुओं/यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 07730/07731 हैदराबाद-अजमेर-हैदराबाद स्पेशल ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 07730 हैदराबाद-अजमेर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 जनवरी को हैदराबाद स्टेशन से 16.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 13.05 बजे भोपाल और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 06.15 बजे अजमेर स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07731 अजमेर - हैदराबाद स्पेशल ट्रेन दिनांक 08 जनवरी को अजमेर स्टेशन से 20.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 09.45 बजे भोपाल एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन 07.45 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सिकंदराबाद, मलकाजगिरी, मेडचल, कामारेड्डी, निजामाबाद, बसर, धर्माबाद, मुदखेड, नांदेड़, पुर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, बुरहानपुर, खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में 20 शयनयान श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी एवं 02 एसएलआर सहित में कुल 24 डिब्बे रहेंगे । यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

एम्स के ग्वालियर मेगा मेडिकल कैंप में बीस हजार से अधिक मरीजों ने ली स्वास्थ्य सेवाएं

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में और सांसद श्री भरत सिंह कुशवाह की पहल पर, 25 से 27 दिसंबर तक ग्वालियर में एक तीन दिवसीय मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया है। यह शिविर भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की याद में आयोजित किया गया है। 25 दिसंबर से शुरू हुए इस शिविर को स्थानीय समुदाय से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह की अगुवाई में एम्स भोपाल के 160 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। शिविर में अल्ट्रासाउंड मशीन, ओसीटी उपकरण और फाइब्रोस्कैन मशीन जैसे अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं, जो समग्र निदान और उपचार में मदद कर रहे हैं।

इस शिविर के पहले दो दिनों में 21,500 मरीजों को चिकित्सा सेवाएं दी गई हैं। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञताएं जैसे कार्डियोलॉजी, जनरल मेडिसिन, शल्य चिकित्सा, डर्मेटोलॉजी, न्यूरोलॉजी, बाल चिकित्सा, नेत्र विज्ञान, मानसिक चिकित्सा, एनेस्थीसियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, यूरोलॉजी, ओर्थोपेडिक्स, रेडियोलॉजी और हड्डी रोग सहित अन्य प्रमुख विभागों के विशेषज्ञ मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। लगभग 7,000 मरीजों को एम्स भोपाल बुलाया गया है। उन्हें अलग से गुलाबी रेफरल स्लिप जारी की गई, ताकि एम्स पहुंचने पर उन्हें उपचार में प्राथमिकता मिल सके। इस शिविर का उद्देश्य न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करना है, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी प्रदान करना है। यह पहल समाज में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एम्स में हृदय के वाल्व की सफल सर्जरी करवा चुके मरीज ने डाक्टर्स का किया सम्मान

ग्वालियर मेडिकल कैम्प में कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों को किया सम्मानित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हाल ही में, एम्स भोपाल में सफल वाल्व सर्जरी करवा चुके एक मरीज ने ग्वालियर में आयोजित मेगा मेडिकल कैम्प के दौरान कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के डॉक्टरों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। मरीज ने अपनी उपचार यात्रा को साझा करते हुए बताया कि एम्स भोपाल में वाल्व सर्जरी के बाद उनकी स्थिति में जबरदस्त सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। मरीज, जो ग्वालियर के निवासी हैं, इस जटिल सर्जरी के लिए एम्स भोपाल आए थे। मरीज ने एम्स भोपाल की चिकित्सा टीम के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने उनका सफल इलाज किया और उन्हें नया जीवन दिया। मरीज ने बताया कि अब वे अब सामान्य जीवन जी पा रहे हैं।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस अवसर पर कहा, हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमारे मरीज स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम हो रहे हैं। ग्वालियर मेडिकल कैम्प में इस तरह की सराहना हमारे कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के उत्कृष्ट कार्य का प्रतीक है। ऐसे सम्मान हमारे प्रयासों को और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। इस मरीज की सर्जरी कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में किया गया था। सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे।

जीजी फ्लाईओवर की नए साल में ओपनिंग

121 करोड़ से भोपाल में बना है 2.7 किमी लंबा ब्रिज; सर्विस लेन का काम बाकी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जीजी (गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक) फ्लाई ओवर की थर्ड आर्म (तीसरी भुजा) पूरी हो गई है, लेकिन एक तरफ की सर्विस लेन नहीं बन पाई है। दूसरी ओर, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह गुजरात दौरे पर हैं। इन दोनों वजह से फ्लाईओवर के उद्घाटन की तारीख तय नहीं हो पाई है। उम्मीद जताई जा रही है कि नए साल में ब्रिज की ओपनिंग कर दी जाए।

यह भोपाल का सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 2734 मीटर यानी, करीब पौने 3 किमी है। इसका काम दिसंबर 2020 में शुरू हुआ था। जिसे 2 साल में बन जाना था, लेकिन इसे बनने में 4 साल लगे। आखिरकार अब इसका काम आखिरी दौर में है। पहले 26 दिसंबर को ब्रिज की ओपनिंग करने की बात सामने आई थी, लेकिन थर्ड आर्म नहीं बनने की वजह से ट्रैफिक शुरू नहीं हो सका। वहीं, मंत्री गुजरात दौरे पर चले गए। ऐसे में अब उम्मीद है कि 1 से 5 जनवरी के बीच ब्रिज की ओपनिंग हो जाएगी।पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह अफसरों के साथ गुजरात दौरे पर है। गुरुवार को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भी मुलाकात की।

लाइट की टेस्टिंग शुरू- गणेश मंदिर से वल्लभ भवन चौराहा के बीच दो आर्म्स के बीच कुल 230 पोल पर लाइटें लगाई गई हैं। जिसकी टेस्टिंग की जा रही है। करीब 15 मीटर चौड़े इस ब्रिज की थर्ड आर्म पर भी लाइट लगाई जाएगी। ताकि, यह हिस्सा भी रोशन हो सके। यदि लाइटिंग और सर्विस रोड समय पर बन जाती है तो थर्ड आर्म पर भी ट्रैफिक शुरू हो सकता है। वरना, गणेश मंदिर से वल्लभ भवन चौराहा तक ही ट्रैफिक शुरू होगा।

लोड टेस्ट पूरा- पीडब्ल्यूडी के अफसरों के मुताबिक, गणेश मंदिर से वल्लभ भवन चौराहा की ओर आने वाली पहली और दूसरी आर्म का काम तकरीबन पूरा हो चुका है। इस रूट पर लोड टेस्ट भी हो चुका है। फिर भी ट्रैफिक का संचालन शुरू होने पर लोगों को कोई परेशानी न आए, इसलिए यहां कुछ उपाय किए जा रहे हैं। ऐसा मैनिट के एक्सपर्ट्स से मिली सलाह के बाद पीडब्ल्यूडी के अफसरों ने ये बदलाव करने का फैसला लिया है।

वाजपेयी की पुण्य-तिथि, सीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्येयनिष्ठ पत्रकारिता के पुरोधा, श्रद्धेय माणिकचंद्र वाजपेयी की पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि स्व. वाजपेयी की लेखनी ने लोकतंत्र की सुदृढ़ता, देश की प्रगति, लोक कल्याण और गरीबों के उत्थान के लिए विचारों की अद्वितीय रोशनी प्रदान की।

सीमेंट फैक्ट्री के एचआर मैनेजर को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

मैहर में पुलिस के सामने चलाए लात-घूंसे

ब्लास्ट में मजदूर की मौत पर भड़के साथी

मैहर (नप्र)। मैहर में सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट से एक मजदूर की मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए मजदूरों ने पुलिस के सामने ही फैक्ट्री के एचआर मैनेजर को दौड़ा दौड़ा कर पीटा। उसे जमीन पर पटक दिया। लात-घूंसे मारे।

ये घटना मैहर के सरला नगर स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री की है। जहां गुरुवार सुबह करीब 11.30 बजे एक टैंकर में ब्लास्ट हो गया था। मैहर टीआई अनिमेश द्विवेदी के मुताबिक,टैंकर खाली था। उसमें वेल्डिंग करते समय हादसा हुआ है। हादसे में बदेरा निवासी प्रभुदयाल कुशवाहा (35 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया था। सतना के बिरला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था, जहां उसकी मौत हो गई। ब्लास्ट के वक्त मौजूद मजदूर राहुल कुशवाहा ने बताया- प्रभुदयाल कुशवाहा मेरा चचेरा भाई था। हादसे के समय मैं हेल्पर के तौर पर टैंकर के ही नीचे था। हालांकि मुझे कुछ नहीं हुआ।

प्रबंधन के फेवर में बात करने पर भड़के मजदूर- बताया जा रहा है कि हादसे के बाद एचआर हेड उपेंद्र मिश्रा के सामने मजदूर अपनी बात रख रहे थे। इस बीच प्रबंधन के फेवर में बात करने पर मजदूर भड़क गए। उन्होंने एचआर हेड के साथ मारपीट कर दी। उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस ने किसी तरह बीच बचाव कर उन्हें बचाया। बताया जा रहा है कि पिटाई से उन्हें काफी चोट आई है। उनका इलाज कहां चल रहा है, ये किसी को पता नहीं।टीआई अनिमेष द्विवेदी ने बताया कि अभी इस संबंध में फैक्ट्री प्रबंधन ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने गए वन अमले पर पथराव, उल्टे पांव भागे पुलिसकर्मी, 4 घायल

पथराव में चार पुलिसकर्मी घायल, जेसीबी में तोड फोड

खंडवा (नप्र)। गुड़ीखेड़ा वनपरिक्षेत्र में जंगल में हुए अतिक्रमण का सफाया करने के लिए शुक्रवार को भी वनविभाग ने कार्रवाई की। सुबह से अमले ने खेतों को उजाड़ना शुरु किया। इस दौरान भिलाईखेड़ा में महिलाओं ने विरोध शुरु कर दिया। टीम के सामने महिलाएं विरोध में बैठ गई।

महिलाओं का कहना था कि ये राजस्व की जमीन है और इसके हमारे पास पट्टे है। महिलाओं को अधिकारी समझाइश दे रहे थे, इसी बीच स्थानीय लोगों ने टीम पर पथराव शुरु कर दिया। भारी विरोध और पथराव के बीच पुलिसकर्मी जान बचाकर उल्टे पांव भागे।

पथराव के कारण मौके पर अफरा-तफरा मच गई। अतिक्रमण हटा रही कुछ जेसीबी के कांच फूट गए, चार पुलिसकर्मी भी घायल हो गए हैं। घायलों को पहले गुड़ी उपस्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां से एक घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पथराव के बाद फिलहाल वन विभाग ने यहां कार्रवाई रोक दी है।

90 से 100 हेक्टेयर जंगल से अतिक्रमण हटाया गया

डीएफओ राकेश कुमार डामोर का कहना है कि फिलहाल कार्रवाई रोक दी है। करीब 90 से 100 हेक्टेयर जंगल से अतिक्रमण हटाया गया था। दोपहर में पास ही की बीट क्र. 749 में पहुंचे थे। इस दौरान महिलाओं ने विरोध शुरु कर दिया और पथराव हो गया। जिसमें घायलों को चोट आई है, उनका उपचार करवाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास पट्टे के कागज है, इसकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

राजनांदगांव के भंवरमरा गांव में घर में फटा सिलेंडर

पति-पत्नी और बेटी की मौत

राजनांदगांव (नप्र)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से सात किमी दूर भंवरमरा गांव में एक घर में सिलेंडर फट गया। घटना में मकान परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में पति, पत्नी और उनकी बेटी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक खाना बनाते समय सिलेंडर फट गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। यहां उन्हें भावगत सिन्हा 38, तामेश्वरी सिन्हा 35 और उनकी तीन साल की बेटी भाव्या सिन्हा के शव मिले।

भागवत सिन्हा किराना दुकान चलाते थे, वहीं पत्नी गृहणी थीं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर यही सामने आ रहा कि खाना बनाते समय सिलेंडर फट गया है।

जिस कार में 52 किलो सोना मिला उसका वीडियो आया सामने

सुबह 7 बजे सौरभ के ठिकानों पर छापा, 7 घंटे बाद अरेरा कॉलोनी में दिखी कार

भोपाल (नप्र)। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के घर और कार्यालय पर 19 दिसंबर को लोकायुक्त ने छापा मारा था। दावा किया गया था कि यह कार्रवाई सुबह 7 बजे से उनके दोनों ठिकानों पर की जा रही थी।

इसी दौरान, सौरभ के घर ई-7/78 से महज 50 मीटर की दूरी पर उसी इनोवा कार के फुटेज मिले हैं, जिसमें 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए नकद भरकर मेनडोरी के जंगल में खड़ी की गई थी।

इससे साफ हो चुका है कि लोकायुक्त की कार्रवाई के बीच गोल्ड और कैश से भरी इनोवा कार सौरभ के घर के बेहद नजदीक थी। रातीबढ़ पुलिस ने इस कार के फुटेज गुरुवार को सौरभ के घर के पास रहने वाले प्रतीक सक्सेना के घर से जब्त किए।

दोपहर 2:05 बजे कार प्रतीक के घर के सामने से गुजरती हुई दिखाई दी। इस दौरान, सौरभ के घर में लोकायुक्त की कार्रवाई चल रही थी। सौरभ के घर से महज 50 मीटर की दूरी पर इनोवा कार दिखी, जिसमें गोल्ड मिला था।

ड्राइवर की पहचान अभी भी रहस्य

चेतन सिंह गौर ने आईटी विभाग की पूछताछ में बताया था कि उसने एक ड्राइवर रखा हुआ था। इनोवा कार वही चलाता था। लेकिन यह कार मेनडोरी के जंगल तक कैसे पहुंची और किसने पहुंचाई, इसका खुलासा अब तक नहीं हो सका है। चालक कौन है और सोने से भरी कार को ठिकाने लगाने में उसकी क्या भूमिका थी, यह भी साफ नहीं हो पाया है।

प्रॉपर्टी डीलर के घर से फुटेज जब्त

अरेरा कॉलोनी, ई-7 में रहने वाले प्रवीण सक्सेना ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उनके घर से फुटेज जब्त करने खुद रातीबढ़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा आए थे। हालांकि, भोपाल पुलिस इस मामले में कोई भी बयान देने से बच रही है। जब रातीबढ़ टीआई रास बिहारी शर्मा से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि पुलिस अन्य चोरी के मामले में वहां गई थी। गोल्ड-कैश से भरी कार के मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच अन्य एजेंसियां कर रही हैं।

इधर, प्रवीण ने दावा किया कि उनका घर सौरभ के बंगले ई-7/78 के नजदीक है। सौरभ जिस बंगले में रह रहा है, वह भी प्रवीण ने ही उसे बेचा था।

अंडरग्राउंड हुआ चेतन सिंह गौर

जिस कार में गोल्ड और कैश मिला, वह चेतन सिंह गौर के नाम पर रजिस्टर्ड है। आईटी विभाग की टीम ने चेतन को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी, लेकिन बाद में छोड़ दिया था। इसके बाद, लोकायुक्त की टीम ने चेतन पर एफआईआर दर्ज की। इसके बाद से ही चेतन का मोबाइल बंद है और वह अंडरग्राउंड हो चुका है। चेतन ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट भी डिलीट कर दिए हैं।

आरटीओ के करोड़पति कॉन्स्टेबल के ठिकानों पर ईडी की रेड

भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर में मेटल डिटेक्टर के साथ सर्चिंग, कार में मिला था 54 किलो सोना

भोपाल/ग्वालियर/जबलपुर (नप्र)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई चल रही है। ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह एक साथ तीनों शहरों में छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक, रेड में कई अहम दस्तावेज मिले हैं।

ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे भोपाल में अरेरा कॉलोनी ई-7 स्थित मकान नंबर 78 और 657 समेत 1100 क्वार्टर स्थित जयपुरिया स्कूल के दफ्तर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दीवारों और फर्श की मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ जांच कर रहे हैं।

अफसरों को आशंका है कि जिस तरह लोकायुक्त के छापे के दौरान सौरभ के घर में टाइल्स के नीचे ढाई किलो चांदी मिली थी, उसी तरह इन ठिकानों पर और भी सोना और चांदी छिपाकर रखा गया है।ईडी भोपाल के अरेरा कॉलोनी में सौरभ के घर और 1100 क्वार्टर स्थित स्कूल में पड़ताल कर रही है।

ग्वालियर एसपी बोले- किसकी रेड, नहीं पता- ग्वालियर के बहोड़ापुर स्थित सौरभ शर्मा की कोठी पर सुबह 5 बजे ही पुलिस फोर्स के साथ ईडी ने दबिश दी। फिलहाल, घर के बाहर फोर्स तैनात है, अंदर अफसर सर्चिंग कर रहे हैं। हालांकि, ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि रेड किसकी है, यह अभी उनको भी नहीं पता है। किसी भी जांच एजेंसी ने ग्वालियर पुलिस से संपर्क नहीं किया है।

पड़ोस में रहने वाले रिटायर्ड डीएसपी मुनीष राजौरिया ने बताया- ये डॉ. राकेश शर्मा का घर है। उनके दो लड़के सचिन और सौरभ शर्मा हैं। सचिन छत्तीसगढ़ में नौकरी करता है। सौरभ भोपाल में ही रहता था। यहां उसका बहुत कम आना-जाना होता है।

जबलपुर में साले के नाम से निवेश खंगाल रही ईडी- जबलपुर में शास्त्री नगर स्थित बिल्डर रोहित तिवारी के घर पर भी भोपाल से ईडी की टीम पहुंची है। जबलपुर में सौरभ शर्मा का ससुराल है। सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी रोहित के परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं। सौरभ ने अपनी पत्नी दिव्या के भाई शुभम तिवारी के नाम से करोड़ों का निवेश किया है। इसके अलावा दोस्त चेतन सिंह गौर और बहनोई रोहित तिवारी के नाम भी निवेश का पता चला है। ईडी की टीम इसकी पड़ताल में जुटी है।

सौरभ ने 2012 में कंस्ट्रक्शन कंपनी- ओमेगा रियलकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाई थी। इसमें चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल डायरेक्टर जबकि रोहित तिवारी एडिशनल डायरेक्टर बनाए गए।ईडी की टीम ने जबलपुर के शास्त्री नगर के इस मकान पर छापा मारा है।

शुभम के भाई ने कहा-सौरभ से हमारा कारोबारी संबंध नहीं

पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के साले शुभम तिवारी के भाई पंकज तिवारी न कहा कि सुबह भोपाल से ईडी की टीम जबलपुर स्थित हमारे घर पर आई थी। अचानक उन्होंने घर में रखे दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। सौरभ शर्मा हमारे रिश्तेदार जरूर हैं लेकिन उनसे हमारे कोई भी कारोबारी संबंध नहीं है। ईडी अपना काम कर रही है।

ट्रेन के कोच के नीचे छिपकर 250 किमी आया युवक

जबलपुर में जांच के बीच नीचे बैठा मिला; कहा- मेरे पास टिकट के पैसे नहीं थे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक युवक ट्रेन के पहिए के बीच सफर करते पकड़ाया। उसने इटारसी से जबलपुर तक 250 किमी की दूरी ऐसे ही तय की। दानापुर एक्सप्रेस जब आउटर पर पहुंची तो रेलवे कर्मचारियों को जांच के दौरान वह एस-4 कोच के नीचे छिपा मिला। पूछताछ में उसने कहा कि मेरे पास टिकट के पैसे नहीं थे। घटना गुरुवार शाम की है। जांच के दौरान रेलवे कर्मचारियों की नजर कोच के नीचे लेटे एक युवक पर पड़ी। उन्होंने तुरंत वायरलेस के जरिए लोको पायलट को सूचना दी और ट्रेन रुकवाई गई। इसके बाद कर्मचारियों ने ट्रॉली में छिपे उस व्यक्ति को बाहर निकाला। रेलवे कर्मचारियों ने युवक को बाहर निकाला। आरपीएफ मामले की जांच कर रही है।

कौन है ये युवक, पता नहीं- कैरिज एंड वैगन विभाग (एसीएंडडब्ल्यू) के कर्मचारियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ हर्षित श्रीवास्तव ने कहा कि युवक कौन है और कहां का रहने वाला है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले की जांच आरपीएफ पुलिस को सौंपी गई है।

झाबुआ के भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी, नतीजा नहीं

अभिमत के आधार पर पार्टी जो तय करेगी, वही अध्यक्ष होगा

(श्याम त्रिवेदी)

झाबुआ। भाजपा के संगठन पर्व के अंतर्गत जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए आज स्थानीय सर्किट हाउस पर निर्वाचन अधिकारी पंकज जोशी, पर्यवेक्षक सत्येन्द्र भूषण सिंह की मौजूदगी में रायशुमारी की गई। जिला अध्यक्ष के दावेदारों के साथ प्रदेश व जिले के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

रायशुमारी से पूर्व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक ने कहा कि जिले में इतने वरिष्ठ कार्यकर्ता है, इससे लगता है कि झाबुआ जिले में पार्टी का काम बहुत अच्छा है। संगठन पर्व के अंतर्गत आज निर्वाचन प्रक्रिया जिला अध्यक्ष की सम्पन्न कराने आए है। इसके बाद प्रदेश जो तय करेगा आप सबके अभिमत के आधार पर जो सब कार्यकर्ता मिलकर स्वीकार करते है, उसके नेतृत्व में जिला काम करता है।

दोपहर लगभग 11 बजे से सर्किट हाउस पर जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों सहित रायशुमारी में शामिल होने वाले पदाधिकारी पहुंचने लगे थे। निर्वाचन अधिकारी एवं पर्यवेक्षक ने कार्यकर्ताओं को रायशुमारी को लेकर जानकारी दी। इसके बाद बंद कमरे में जिला अध्यक्ष के नाम लिखवा कर लिए गए। जिला अध्यक्ष के लिए पांच नामों में एक महिला का नाम आवश्यक रूप से लिया गया। रायशुमारी की प्रक्रिया लगभग तीन घंटे से अधिक समय तक तक चली। इस दौरान जिला अध्यक्ष के दावेदार अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए अपने पक्ष में नाम दिए जाने को लेकर कार्यकर्ताओं से आग्रह करते देखे गए।

इस रायशुमारी में पेटलावद विधायक व महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, पूर्व सांसद जीएस डामोर, प्रदेश मंत्री संगीता सोनी, जिला अध्यक्ष भानू भूरिया, उपाध्यक्ष सत्येंद्र यादव, महामंत्री गौरव खंडेलवाल, सोमसिंह सोलंकी, कृष्णपाल सिंह गंगाखेडी, पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेश दुबे, ओम शर्मा, मनोहर सेठिया, लक्ष्मण सिंह नायक, श्री मोटापाला, दौलत भावसार, मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक, बबलु सकलेचा, नगर पालिका अध्यक्ष कविता शैलेन्द्र सिंगार, बिट्टू सिंगार , कमलेश दातला , मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

सात हजार की रिश्वत लेते तहसीलदार और बाबू धराए, प्लाट नामांतरण के बदले मांगे थे पैसे

देवास (नप्र)। सोनकच्छ तहसीलदार मनीष जैन और उनके कार्यालय के बाबू जय सिंह को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। यह कार्रवाई उज्जैन लोकायुक्त टीम ने शुक्रवार शाम तहसील कार्यालय में की। तहसीलदार और बाबू प्लॉट नामांतरण के बदले सात हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे।

शिकायत कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रवींद्र दांगिया ने दर्ज कराई थी। दांगिया ने लोकायुक्त को बताया कि सोनकच्छ के पास ग्राम सांवेर स्थित एक प्लॉट के नामांतरण के लिए तहसीलदार के अधीनस्थ स्टाफ द्वारा सात हजार रुपये रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त ने शिकायत को सत्यापित करने के बाद कार्रवाई की योजना बनाई।

पहले बाबू ने ली थी रिश्वत- शुक्रवार को तहसीलदार जैन खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करने वेयर हाउस गए थे। वापस आने पर फरियादी दांगिया ने बाबू जय सिंह को सात हजार रुपये दिए। बाबू ने यह राशि तहसीलदार को सौंपी, जिसके तुरंत बाद लोकायुक्त टीम ने दोनों को पकड़ लिया। बाबू जय सिंह तहसील कार्यालय में अटैच प्राथमिक शिक्षक है।

तहसीलदार पर कार्रवाई- लोकायुक्त ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि रिश्वत की मांग तहसीलदार के निर्देश पर की गई थी। लोकायुक्त टीम ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

ऑडिट अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया- सहकारिता विभाग के ऑडिट अधिकारी रमेश प्रसाद कोरी को लोकायुक्त सागर की टीम ने शुक्रवार शाम रंगे हाथों 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। यह रिश्वत सेवा सहकारी समिति खिरिया मंडला के ऑडिट में किसी प्रकार की कमी नहीं निकालने के बदले मांगी गई थी।

लोकायुक्त सागर में समिति के प्रबंधक जीवनलाल पटेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ऑडिट अधिकारी ने उनसे रिश्वत की मांग की है। जांच के बाद लोकायुक्त की टीम ने दमोह सहकारिता कार्यालय में यह कार्रवाई की। कार्यवाही के दौरान 15 हजार रुपये लेते हुए अधिकारी को पकड़ा गया।